भाद्रपद शुक्ल पक्ष-5, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 167 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
02 दिसंबर 2023 शनिवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

एक्जिट पोल

सतही सर्वे का क्या आधार
सट्टा बाजार या सत्ता की सरकार

ओपिनियन पोल और चुनावी पूर्व सर्वे पर तो पहले से ही उंगली उठती रही है, लेकिन पहली बार एक्जिट पोल सर्वे के नतीजों में भारी अंतर को देखते हुए इन सर्वे के निष्कर्षों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ये सर्वे सट्टा बाजार व्दारा प्रायोजित हैं या राज्यों की सरकारों ने इन्हें प्रेरित किया है?

सर्वे को लेकर तेलंगाना में कांग्रेस गदगद है,क्योंकि वहं उसकी सरकार बनाती दिखाई गई है। इसके विपरीत मप्र में दिग्विजय सिंह या कमलनाथ से लेकर कांग्रेस का कोई कार्यकर्ता सर्वे के नतीजों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। राजस्थान में किसी ने कांग्रेस की सरकार को दोहराने के दावे किए हैं तो कोई भाजपा की सरकार बनवा रहा है। लेकिन वहां भी भाजपाई सर्वे में भाजपा को दिए गए आंकड़ों से सहमत नहीं है। राजस्थान में कांग्रेसी सर्वे में गिरते पड़ते अपनी सरकार को बनते देख पुलकित हैं तो भाजपा के दावे सर्वे के अनुमानों से ज्यादा सीट जीतने के हैं। छत्तीसगढ़ में तो ज्यादातर सर्वे एजेंसियों ने प्रकारांतर से कांग्रेस और भाजपा की लगभग बराबरी के आंकड़े देकर दोनों को 3 दिसंबर तक खुश बने रहने और ख्याली पुलाव पकाने के लिए छोड़ दिया है। यानि तुम जीते न हम हारे वाले हालात छत्तीसढ़ ही नहीं राजस्थान में भी सर्वे के नतीजे बता रहे हैं। मिजोरम को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही त्रिशंकु सरकार बनने को देखते हुए अपनी सरकार बनाने के सपने संजो रहे हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

मध्यप्रदेश की बात करें तो आजतक की एजेंसी ने भाजपा को 142 से 162 सीटें दे डाली हैं तो एबीपी न्यूज के सी वोटर के सर्वे ने किसी तरह कांग्रेस की सरकार बनवा डाली है। एक के दावे मं अतिरंजना है तो दूसरे के सर्वे में ऐसी त्रुटियां है तो नंगी आंखों से देखी जा सकती है। मसलन एबीपी ने मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड और विंध्य की सीटों को मिलाकर बघेलखंड इलाका बनाकर 57 सीटों पर अपने सर्वे के आंकड़े पेश कर डाले हैं, जबकि दोनों ही क्षेत्रों की राजनीतिक और सामाजिक प्रकृति बिल्कुल अलग है। इसी तरह निमाड़ में उसने 28 सीटें तथा मालवा में 45 सीटें बताकर 66 सीटों वाले मालवा -निमाड़ को 73 सीटों वाला इलाका बना डाला है। पुराने महाकौशल जो अब जबलपुर संभाग में सिमटा है, उसकी 38 सीटें हैं। लेकिन एबीपी ने उसे 45 सीटों वाला इलाका बना डाला है। यही हालात भोपाल-नर्मदापुरम यानि सेंट्रल रीजन की हैं। वहां भी उसने दोनों को अलग करके सीटों का नया आंकड़ा बिठाया है। मप्र मं प्रचंड जीत के दावे करने वाले आजतक ने तो अपने बचाव के लिए अपने वामपंथी विचारक पत्रकारों की छवि को बचाने के लिए एक आंतरिक वीडियो भी जारी करके अपनी खाल बचाने के साथ अपने ही सर्वे को संदेह के दायरे में लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस को ऐतराज न्यूज24 व्दारा चाणक्य से कराए गए सर्वे पर भी ऐतराज है जिसने मप्र में भाजपा को 151 सीटें मिलने का दावा किया है। याद रहे कि यह चैनल कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला का है। सर्वे ऐजेंसियों की आंकड़ेबाजी से कमलनाथ और दिग्विजय सिंह सहमत नहीं हैं। वे इसे सरकार का प्रायोजित खेल बता रहे हैं।

कुल मिलाकर देखें तो एक्जिट पोल सर्वे के नतीजे कितने ही सत्य के करीब क्यों न हों पर उनके दावों पर सवालिया निशान तो लग ही गए हैं। ये सर्वे सट्टा बाजार से प्रेरित हैं या सत्ता सरकार से। यह तो तय है कि पूंजीवाद के प्रखर होते दौर में कुछ भी होना नामुमकिन नहीं है। ओपिनियन पोल और चुनाव पूर्व सर्वे पर आपत्ति करने वाले खबरिया चैनलों से लोगों का भरोसा तो पहले ही उड़ चुका था लेकिन अब एक्जिट पोल भी यकीन के काबिल नहीं रहे। आने वाले वक्त में लोगों के लिए ये तमाम सर्वे कुछ वक्त के मनोरंजन और बहस मुहाबिसों का खेल बनकर रह जाएंगे। चुनाव बाद किसी न किसी का आंकड़ा तो सच का करीब होगा ही लेकिन सभी बढ़चढ़ कर दावे प्रतिदावे करने में कोई भी पीछे नहीं रहने वाला।

मतगणना : भाजपा-कांग्रेस के कंट्रोल रूम तैयार...

कल के इंतजार में आज दोनों दलों के लिए कत्ल की रात !

काउंटिंग के लिए बल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा चुनाव के परिणामों का काउंटडाउन शुरू हो गया है। कल सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हो रही है और नौ बजे के बाद रूझान आने शुरू हो जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस को एग्जिट पोल के निष्कर्षों के सामने आने के बाद अंदरखाने तैयारी में जुटी है। कमलनाथ 12 दिन बाद सुबह भोपाल लौट आए हैं। दोनों दलों ने मैदानी घमासान के बाद मतगणना के दिन को भी 'वार' के रूप में लिया है। कल इसके लिए जोरदार तैयारी है। वहीं आज देर रात तक मंथन संपर्क व मंत्रणाओं के दौर चलेंगे। खासतौर पर कांग्रेस ने अपने सभी उम्मीदवारों व उनके काउंटिग एजेंट्स को सतर्क रहने के निर्देश भेजे हैं। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय कल सुबह से कमलनाथ,दिग्विजय सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता कंट्रोल रूम में बैठकर पूरे प्रदेश में मतगणना पर नजर रखेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता भी कल इसी काम में जुटेंगे। हालांकि कांग्रेस ने मतगणना के दौरान 'बवंडर' की आशंका व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। इस आशंका के आधार के रूप में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा कार्यालय की बैठक के कथित वीडियो को बनाया है। उसने कहा है कि भाजपा द्वारा अपने कार्यकताओं को मतगणना दिवस पर अशांति फैलाकर मतगणना प्रभावित करने के लिए उकसाने की कां रही है। लिहाजा अराजकता की स्थिति निर्मित हो सकती है। लिहाजा राजीव सिंह, जेपी धनोपिया व प्रकाश जैन ने आयोग से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने की मांग की।

शिवराज-वीडी-सिंधिया बैठेंगे साथ

भाजपा मुख्यालय में कल सुबह से कंट्रोल रूम काम करने लगेगा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया यहां अन्य नेताओं के साथ बैठकर मतगणना पर नजर रखेंगे और सभी विस क्षेत्रों में अपने नेताओं से संपर्क में रहेंगे। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता आशीष अग्रवाल का कहना है कि एक लीगल टीम भी शिकायतों के समाधान हेतु तैनात रहेगी और यह कंट्रोल रूम अंतिम परिणाम आने तक चलेगा।

प्रत्याशियों को मोबाइल फोन की मंजूरी मांगी

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को चार अलग-अलग शिकायतें सौंपकर कहा है कि पोस्टल वोट का चुनाव परिणाम शीघ्र पूर्ण कराया जाए। मतगणना स्थल पर प्रावधान 15.4.4 के अनुसार प्रत्याशियों को मोबाईल फोन साथ ले जाने की अनुमति दी जाए। जिससे प्रत्याशी आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग कर सके। (आयोग तैयार..पेज तीन भी देखें)

सरकारी अफसर से मांगे 51 लाख

ऊपर तक पहुंचाना है पूरा माल दो.. ईडी अफसर रिश्वत लेते गिरफ्तार

चैन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु में एक सरकारी अधिकारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) अफसर अंकित तिवारी के मामले में अब कई खुलासे हो रहे हैं। दरअसल ईडी अधिकारी अंकित ने 3 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी जिसके बाद 51 लाख रुपये में डील फाइनल हुई थी। डील के तहत जब वो रिश्वत की 20 लाख रुपये की दूसरी किस्त ले रहे थे उसी दौरान उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

बताया जाता है कि विगत 29 अक्टूबर को, ईडी अधिकारी अंकित तिवारी ने कथित तौर पर एक बंद डीवीएसी मामले के संबंध

में डिंडीगुल के एक सरकारी अधिकारी से संपर्क किया. तिवारी ने कथित तौर पर सरकारी अधिकारी को बताया कि पीएमओ ने ईडी से मामले की जांच करने के लिए कहा है और उन्हें जांच के लिए 30 अक्टूबर को मदुरै में ईडी कार्यालय में उपस्थित होना होगा। जब सरकारी अधिकारी मदुरै गया, तो अंकित कथित तौर पर उसकी कार में आया और मामले को बंद करने के लिए 3 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी। बाद में, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और 51 लाख रुपये में ये डील फाइनल की गई। 1 नवंबर को सरकारी कर्मचारी ने कथित तौर पर ईडी अधिकारी को 20 लाख रुपये की पहली किस्त दी थी। बाद में, अंकित ने सरकारी कर्मचारी से पूरी राशि का भुगतान करने के लिए कहा और उसे बताया कि 'पूरी रकम दो ऊपर तक बांटना है।' ऐसा न करने पर उसने व्हाट्सएप और टेक्स्ट मैसेज के माध्यम से सरकारी कर्मचारी को गंभीर कार्रवाई की भी धमकी दी। अंकित की गतिविधियों पर संदेह बढ़ने के बाद, सरकारी अधिकारी ने 30 नवंबर को डीवीएसी की डिंडीगुल इकाई में शिकायत दर्ज की थी।

नक्सली करतूतः आईडी ब्लास्ट में 2 जवान घायल

दंतेवाडा, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आइईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए। नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाने बैनर, पोस्टर के नीचे आइईडी लगा रखी थी, जिसकी चपेट में आने से जवान घायल हो गए है। दोनों घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।नक्सली दो दिसंबर से आठ दिसंबर तक पीएलजीए सप्ताह की 23वीं वर्षगांठ मनाने बारसूर, पल्ली मार्ग पर बढ़ी तादात में बैनर पोस्टर लगाए थे। यहीं बैनर पोस्टर वाली जगह पर नक्सलियों ने प्रेशर आइईडी में लगा रखी थी जिसकी चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए हैं।नक्सली अक्सर जवानों को फंसाने के लिए जहां बैनर पोस्टर

लगाते हैं, वहां आइईडी भी लगाते हैं। नक्सलियों को ये मालूम होता है जवान बैनर पोस्टर निकालने जरूर आएंगे। नक्सली इस क्षेत्र में हफ्ते भर में दूसरी वारदात को अंजाम देने में कामयाब हुए है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी रोकने बघेल ने लिखा मोदी को पत्र

रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऑनलाइन बेटिंग के अवैध कारोबार से जुड़े प्लेटफार्म और वेबसाइट को प्रतिबंध लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि बीते कई सालों से ऑनलाइन बेटिंग, गेमिंग के माध्यम से जुआ और सट्टा के कारोबार का देश व्यापी विस्तार हुआ है। इसके संचालक विदेश में अवैध कारोबार का संचालन करते आ रहे हैं। इस पर केंद्र स्तर कार्रवाई ही संभव है। सीएम भूपेश बघेल ने अपने पत्र में लिखा कि कारोबार में उपयोग किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, व्हाट्सएप, यूआरएल लिंक, इंस्टाग्राम और एपीके फाइल इन सभी का पहचान कर इन्हें प्रतिबंधित करवाया जाए।

बांग्लादेश में भूकंप से लद्दाख भी हिला

नई दिल्ली। बांग्लादेश में आज सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। खबरं के मुताबिक, बांग्लादेश में आज सुबह 9.05 बजे भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया है। भूकंप विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी है कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है और इस भूकंप का केंद्र 10 किमी की गहराई पर था।इस भूकंप का असर भारत में लद्दाख तक महसूस किया गया।

एक ही एयरपोर्ट पर एक दिन में दो दुर्घटना

डोडोमा एजेंसी। पूर्वी अफ्रीका के तंजानिया में एक ही दिन हवाईअड्डे पर दो नाटकीय घटना देखने को मिली हैं। जब 30 यात्रियों के साथ यूनाइटेड एयर जांजीबार विमान ने जांजीबार से उड़ान भरी तो किकोबोगा में लैंडिंग की कोशिश के दौरान विमान का मुख्य लैंडिंग गियर टूट गया, जिससे विमान रनवे से हट गया और नोज गियर और दोनों विंग के सहारे रूक गया। वहीं छह घंटे बाद किकोबोगा में इतने ही यात्रियों के साथ एक अन्य विमान ने जांजीबार के लिए उड़ान भरने की तैयारी की तो उसका नोज गियर टूट गया और विमान एक इमारत से टकरा गया।

मेट्रो एंकर

आर्थिक तंगी से परेशान महिला का अपना स्टार्टअप

देहाती मैडम के देशभर में तीन लाख 'छात्र'

कौशांबी, एजेंसी।

एक सामान्य सा नाम है-यशोदा लोधी और पता कौशांबी का गांव सिराथू। मगर इस नाम ने सोशल मीडिया पर न सिर्फ धूम मचा दी,बल्कि इसने यशोदा की माली हालत को भी संवार दिया है। यह विपरीत हालातो में हिम्मत नहीं हारने वाली युवा महिला की कहानी है। जो 'देहाती मैडम' के नाम से चर्चित हो गई हैं। यूट्यूब पर अंग्रेजी बोलना सिखाने वाले अपने 368 वीडियो की बदौलत उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर अपने परिवार को संभाल लिया। घूंघट में अंग्रेजी सिखाने वाली देहाती मैडम यशोदा लोधी के हजारों वफादार फॉलोवर हैं। हालांकि, वह सोशल प्लैटफॉर्म पर अपेक्षाकृत नौसिखिया हैं। पिछले साल मई में उन्होंने अपने चैनल की शुरुआत की थी और फिलहाल, वह इसके जरिए अपने परिवार के लिए हर महीने लगभग 25,000 रुपये कमा लेती हैं। यह राशि शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में काफी ज्यादा है। अपनी सामाजिक स्थिति को स्वीकार करते हुए उन्होंने इसे अपनी ब्रांडिंग का सबसे सशक्त जरिया बनाया व यूट्यूब चैनल को 'इंग्लिश विद देहाती मैडम' का नाम दे दिया। देहाती मैडम को इंग्लिश स्पीकिंग की शैक्षणिक बुनियादी बातों की गहरी समझ है। उनके वीडियो में 'How to create an English-speaking environment', 'Is grammar important?', 'Idiom...cut to the chase', 'Mistakes. Have a fear of making mistakes' जैसे टाइटल हैं।

टाई करोड़ व्यूअर, तीन लाख सब्सक्राइबर !

29 साल की यशोदा लोधी के 2.9 लाख सब्सक्राइबर हैं और उनके बनाए वीडियो को तकरीबन 2.6 करोड़ लोगों ने अभी तक देखा है। उन्हें अंग्रेजी बोलने के अपने देहाती अंदाज पर गर्व है और वह इसे ही अपनी पहचान बना चुकी हैं। परिवार ने उनकी पढ़ाई-लिखाई में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ली बल्कि जब वह छोटी थीं तो उनके माता-पिता ने उन्हें एक रिश्तेदार को सौंप दिया था। 12वीं तक की उनकी स्कूली शिक्षा भी काफी अनियमित रही। इसके बाद एक दिहाड़ी मजदूर से उनकी शादी करा दी गई। उनके पति बाद में एक हादसे का शिकार हो गए। इससे उनकी काम करने की क्षमता पर असर पड़ा और आय सीमित हो गई।

अंग्रेजी में सोचें तभी बोल पाएंगे

एक वीडियो 'हाउ टू थिंक इन इंग्लिश' में लोधी बताती हैं कि कई लोगों के लिए समस्या ये है कि वे अंग्रेजी बोलने से पहले अंग्रेजी में सोचते नहीं हैं। अनुवाद के चक्कर में इंग्लिश की फ्लुएंसी खो जाती है। लोधी अपने 'छात्रों' से कहती हैं, आपको किताबें पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए। अक्सर, देहाती मैडम के सबक अपने आसपास के जीवन का एक हिस्सा होते हैं। हालांकि पहले उन्होंने देसी खाना पकाने, कढ़ाई और सजावट को लेकर चैनलों शुरू किया था मगर इनमें से कोई चैनल नहीं चला। फिर उन्होंने कंटेंस क्रिएशन, वीडियो एडिटिंग और ऑनलाइन ट्रैक्शन हासिल करने के तरीकों के बारे में सीखने के लिए इंटरनेट पर घंटों बिताए।

भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी पर सभा कल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गैस त्रासदी के दिवंगतों को श्रद्धान्जलि एवं सर्वधर्म पार्थना सभा का आयोजन पतिवर्षानुसार 3 दिसंबर को होगा। इस वर्ष आयोजन स्थल भोपाल मेमोरियल हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जलसंसाधन विभाग के सेवा निवृत मुख्य अभियंता संतोष तिवारी करेंगे। तिवारी इस कार्यक्रम का संचालन विगत 37 वर्षों से कर रहे हैं।

विश्व एड्स दिवस निकाली जन जागरुकता रैली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व एड्स दिवस की अवसर पर मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना बरकतउल्ला विश्वविद्यालय प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जन जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। यह रैली रविंद्र भवन से पॉलिटेक्निक चैराहा, बाणगंगा चैराहा, राज भवन चैराहा होते हुए मुख्य सड़क पर मानव श्रृंखला का निर्माण के साथ समाप्त हुई। रैली को मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति की परियोजना संचालक सुरभि गुप्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य एनएसएस अधिकारी मध्य प्रदेश शासन डॉ. आर के विजय, डॉ. अनंत कुमार सक्सेना कार्यक्रम समन्वयक ने हरी झंडी दिखाई। रैली में रेड रिबन क्लब युक्त संस्थाओं के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों, लोक कला समूह के सदस्यों ने सहभागिता की। मुख्य रूप से कार्टून के पात्र मोटू,पतलू ,छोटा भीम जैसे कैरेक्टर्स ने फेस पेंटिंग के माध्यम से जागरूकता का संदेश देने वाले युवा भी सम्मिलित हुए।

राजधानी ने ओढी कोहरे की चादर

सुबह 8 बजे

दोपहर 12.30

भोपाल। हवा के साथ घने कोहरे से राजधानी सहित पूरे प्रदेश को ढंक लिया है। जहां अधिकतम तापमान में अचानक गिरावट आ गई है।

होशंगाबाद रोड से लेकर रायसेन बायपास तक जगह-जगह कब्जे

80 फीट चौड़ी नई सड़क पर लगी दुकानें कुछ स्थानों पर अतिक्रमण भी किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क का काम अभी पूरा भी नहीं हुआ और उस पर दुकानें लगना, अतिक्रमण होना शुरू हो गया है। यह ताजा उदाहरण नर्मदापुरम रोड के प्रधान मंडपम से लेकर रायसेन बायपास तक बनाई जा रही 80 फीट चौड़ी सीमेंट कांक्रीट का है। इस रोड पर जगह-जगह दुकानें लगाई जा रही है, वाहन मालिकों को बचकर चलना पड़ रहा है। यही नहीं, सड़क पर कई जगह पक्के अतिक्रमण कर लिए गए हैं। अमलतास चौराहे के आसपास तो सड़क ही घेर ली गई है तो बागसेविनया के आसपास भी यही हाल है। लोगों को जाम और भीड़भाड़ से निजात दिलाने के लिए बनाई उक्त सड़क की अभी से इस स्थिति के कारण आम राहगीर परेशान है।

भीड़ से निजात दिलाने बनाई सड़क पर अभी से भीड़: इस सड़क को यातायात सुगम करने के लिए बनाया गया। इस पर बड़ी राशि खर्च की गई है ताकि आवागमन को सुगम बनाया जा सके। खासकर बड़े और भारी वाहनों को सीधा मार्ग दिलाया जा सके। लेकिन अभी से अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी होती जा रही है। ये स्थानीय संस्थान स्थानीय पहुंच वाले हैं जिन्होंने पहले सड़कों के किनारे मंदिर बनवाएं और फिर उस मंदिर की आड़ में अतिक्रमण कर लिया है।

पैदल चलने के लिए छोड़ी जमीन पर बना ली पार्किंग

यही नहीं, अमलतास चौराहे के आसपास तो एक संस्थान ने सड़क के किनारे जो कच्ची जगह छूटती है उसे पार्किंग के रूप में उपयोग करना शुरू कर दिया है। उक्त संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों से सड़क के किनारे वाहन खड़े कराए जा रहे हैं। जिसमें दो पहिया व चार पहिया वाहन शामिल है।

अंडा-मछली की दुकानें खुलेआम सड़क पर

इधर बागमुगालिया से लेकर बागसेवनिया के बीच इस नई सड़क पर अंडा और मछली की दुकानें मुख्य सड़क पर लगाई जा रही है। यहां शाम को खरीदारों की संख्या भी अच्छी खासी रहती है। जिसके कारण आम राहगीरों को परेशान होना पड़ता है। इन्हीं क्षेत्रों में सड़क के बिल्कुल किनारे तक दुकानों का निर्माण किया जा रहा है।

पत्नी के इलाज में खर्च हुई राशि देने से बीमा कंपनी ने कर दिया था इंकार

राज्य उपभोक्ता आयोग का बीमा कंपनी को आदेश उपभोक्ता को अदा करे 4 लाख रुपए हर्जाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक मामले में उपभोक्ता को पत्नी के इलाज में खर्च हुइ राशि देने से इंकार करना बीमा कंपनी पर भारी पड़ गया। मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला आयोग के निर्णय को सही ठहराते हुए बीमा कंपनी को फटकार लगाई है। इसके साथ ही कंपनी को आदेश दिए हैं कि वह उपभोक्ता को इलाज में खर्च हुई 4 लाख 79 हजार रुपए की राशि के साथ-साथ मानसिक क्षतिपूर्ति के लिए भी 25 हजार रुपये अदा करे। मामले में बीमा कंपनी ने तर्क रखा कि हर साल बीमा रिन्यू कराने में एक माह की देरी उपभोक्ता ने कर दी थी, इसलिए बीमा पालिसी निरंतर जारी नहीं रही। बीमा पॉलिसी एक माह के लिए ब्रेक हो गई थी। इस कारण बीमा राशि का लाभ नहीं मिलेगा। कंपनी के इस तर्क को राज्य उपभोक्ता आयोग ने खारिज कर दिया और उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया।

यह है पूरा मामला

दरअसल, न्यू सुभाष नगर निवासी हरीश दुबे ने एक बीमा कंपनी से 17 जनवरी 2008 से 16 जनवरी 2009 तक की पांच लाख रुपए की मेडिक्लेम पॉलिसी ली थी। इसके बाद फिर से उपभोक्ता हर साल इस पॉलिसी रिन्यू भी कराता रहा। जब उपभोक्ता की पत्नी 2008 में बीमार पड़ी तो इंदौर के अस्पताल में इलाज कराने पर करीब 19 हजार रुपये का बीमा कंपनी ने भुगतान भी किया, लेकिन दुबारा इलाज में खर्च हुई करीब पौने पांच लाख की राशि देने से इंकार कर दिया।

भोपाल में पहली बार आ रहे हैं चाइना के झूले

सुनामी-डबल डिश झूला भोजपाल महोत्सव मेला में मचाएंगे धमाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला में इस बार सुनामी और डबल डिस जैसे रफ्तार और रोमांच से भर देने वाले झूले धमाल मचाएंगे। चाइना मेड यह झूले शहर में पहली बार किसी मेले में लगाए जा रहे हैं। आयोजकों की माने तो सुनामी झूला देश में दो ही है और दोनों दक्षिण भारत में है। यह शहर में पहली बार 27 नवम्बर से चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में आने वाले लोगों का मनोरंजन कराएंगे।

मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि मेले में बच्चों और बड़ों के लिए मुख्य आकर्षण और रोमांच से भरने वाले देश भर के अलग-अलग शहरों से आने वाले अत्याधुनिक झूले हैं। मेले में देश का सबसे बड़ा झूला सुनामी और डबल डिस लगाया जा रहा है। महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि रफ्तार की दुनिया का सबसे तेज भागता झूला ट्वीस्टर व्हील है, जो मेले में लोगों के आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा रोलर कोस्टर, टॉवर, रेंजर, ऑक्टोपस, ब्रेक डांस, एरोप्लेन, मिनी ट्रेन, पिग्गी ट्रेन, कटर पिलर, फ्रीज व्हील, बड़ी नाव, ड्रेगन, टोरा-टोरा, चॉद-तारा, बाउंसी, चाईना बाउंसी, वॉटर वोट, जम्पिंग, चकरी, स्विंग ईट, मौत का कुंआ, स्टाइकिंग कार, घोस्ट हाउस, भूत बंगला के साथ कई अन्य रंग-विरंगे झूले हैं।

450 दुकानों के स्टॉल

मेले में 450 से ज्यादा स्टाल लगाए गए हैं। इसमें प्रॉपर्टी, ऑटोमोबाइल, इलेक्टॉनिक, टेलीकॉम, फर्नीचर, हैन्डी क्रॉफ्ट, हैंडलूम के साथ विभिन्न प्रकार के स्वादिस्ट व्यंजन, बैंकिंग इंश्योरेंस, ऑर्ट गैलरी, इंटीरियर, महिलाओं की सौंदर्य सामग्री, खूर्जा क्राकरी, कपड़े सहित अन्य सामग्री के स्टाल हैं।

बारिश के बाद भी बड़ी संख्या में मेला देखने पहुंच रहे हैं शहरवासी

बीते तीन दिनों से हो रही रिमझिम बारिश के बाद भी बड़ी संख्या में शहरवासी मेला देखने पहुंच रहे हैं। मेले में दक्षिण भारत के मंदिरों की थीम पर बनाए गए भव्य स्वागत द्वार, मंच और राजा भोज के साथ सेल्फी ले रहे हैं।

मेट्रो एंकर स्टेशन पहुंच मार्ग से स्टेशन तक पहुंचने में यात्रियों को हो रही है परेशानी

बैरागढ़ में स्टेशन रोड अस्त-व्यस्त, अवैध मैजिक स्टापेज से बढ़ी परेशानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रैफिक बढ़ रहा है। यहां पर कुछ यात्री ट्रेनों के स्टापेज प्रस्तावित हैं। इसके बावजूद स्टेशन तक पहुंचने वाले मार्ग चौड़े करने के प्रस्ताव पर अमल नहीं हो पा रहा है। जहां-तहां खड़े होने वाले मैजिक वाहनों के कारण पहले से छोटे मार्ग और छोटे होते जा रहे हैं।

नगर निगम ने बीआरटीएस मार्ग निर्माण के समय मेन रोड को चौड़ा किया था। उस समय मेन रोड पर मिनी बसों एवं मैजिक के लिए बने पुराने बस स्टाप भी हटा दिए गए थे। कुछ समय बाद मिनी बसों का चलन ही बंद हो गया। नगर निगम ने शिव मंदिर गोल चक्रा के पास मैजिक वाहनों के लिए स्टापेज बना दिया। लेकिन इस व्यवस्था का पालन कुछ ही समय तक हो सका। अब तो मैजिक वाहन स्टेशन रोड के प्रवेश मार्ग पर ही खड़े होने लगे हैं, इस कारण यहां से स्टेशन की ओर जाने वाले निजी वाहनों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार ट्रेन आने के बाद एक साथ स्टेशन से सवारियों को लेकर आटो एवं निजी वाहन निकलते हैं। इससे जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसका मुख्य कारण मैजिक वाहनों का अवैध स्टाप है। यदि यह वाहन कुछ ही दूरी पर तय स्टाप पर खड़े होने लगें, तो व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

दूसरा मार्ग बनने से मिलेगी राहत: स्टेशन तक पहुंचने के लिए फाटक रोड से दूसरा मार्ग भी बनाने का प्रस्ताव है। यह मार्ग फिलहाल कच्चा है। ओवरब्रिज का काम पूरा होने के बाद इस पर सीमेंट कांक्रीट या डामरीकरण करने का प्रस्ताव है। यह मार्ग बनने के बाद नागरिकों को राहत मिलेगी। रेल सुविधा संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी का कहना है कि नगर निगम को वर्तमान रेलवे स्टेशन मार्ग पर वाहनों का अवैध स्टापेज हटा देना चाहिए। मार्ग को चौड़ा कर दिया जाए तो यात्रियों को सुविधा होगी। समिति इस संबंध में रेलवे एवं नगर निगम अधिकारियों से मुलाकात करेगी।

प्रदेशभर में 220, भोपाल में 51 केंद्रों पर होगी तीसरे और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं

आरजीपीवी: 5 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेंगी परीक्षा, नकल रोकने के लिए सख्त इंतजाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) की तीसरे और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 5 दिसंबर से शुरू हो जाएंगी। इन परीक्षाओं को लेकर विवि प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार नकल रोकने के लिए सख्त इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 220 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि भोपाल में 51 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। सभी प्रैक्टिकल और थ्योरी परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आयोजित होंगी। परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। पर्यवेक्षक भी मोबाइल नहीं ले सकेंगे। परीक्षा कराने के लिए 130 आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। नकल धरपकड़ के लिए दो फ्लाइंग स्कॉट टीमें बनाई गई हैं। जानकारी के अनुसार, इस परीक्षा में करीब 1.28 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। बीटेक, बीफार्मा एमटेक, एम फार्मा और एमसीए के तीसरे और अंतिम वर्ष के थ्योरी एग्जाम 31 दिसंबर तक आयोजित होंगे। उसके बाद 7 जनवरी तक प्रैक्टिकल होंगे।

गैर शिक्षकीय अमले को वीक्षकीय काम में नहीं लगाया जाएगा

परीक्षाओं के दौरान आरजीपीवी से संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को ही वीक्षक बनाया जाएगा। गैर शिक्षकीय अमले को वीक्षकीय काम में नहीं लगाया जाएगा। इसके लिए वीक्षकों की सूची उनके पदनाम के साथ पर्यवेक्षकों को रोज उपलब्ध करवाई जाएगी। वीक्षक को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व पहुंचना होगा।

43 बिंदुओं की गाइडलाइन का करना होगा पालन

आरजीपीवी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रशांत जैन ने बताया कि यूजी-पीजी परीक्षाओं के लिए सभी डायरेक्टर और कॉलेज प्रिंसिपल को 43 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा शुरू होने के 50 मिनट पहले एग्जाम सेंटर पर रिपोर्टिंग करनी होगी।

क्लैट-2024: 3 दिसंबर को प्रदेश के 9 सेंटरों पर 4 हजार 1800 विद्यार्थी देंगे परीक्षा

भोपाल में 1800 विद्यार्थियों के लिए बनाए चार सेंटर

आगामी 3 दिसंबर को कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट-2024) हिंदी में परीक्षा आयोजित होगी। ऑफलाइन मोड में आयोजित इस परीक्षा में प्रदेश के करीब 4 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए भोपाल में 4, इंदौर में 3, जबलपुर में 1 और ग्वालियर में 1 सेंटर बनाया गया है। भोपाल में शारदा विद्या मंदिर, एनएलआईयू, जागरण लेक सिटी और आईईएस कॉलेज को सेंटर बनाया गया है। यहां इन चार सेंटरों में लगभग 1800 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगा।

यहां से प्रवेश पत्र कर सकेंगे डाउनलोड: कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (एनएलयू) द्वारा प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। आधिकारिक वेबसाइट से लॉगिन क्रेडेंशियल दर्ज कर प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। उम्मीदवार क्लैट एडमिट कार्ड 2024 लिंक पर क्लिक कर 3 दिसंबर तक इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

यूजी सैंपल पेपर का चौथा सेट भी उपलब्ध: इस बीच एनएलयू ने क्लैट 2024 यूजी सैंपल पेपर का चौथा सेट भी उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध करा दिया है। क्लैट सैंपल पेपर उम्मीदवारों को परीक्षा के अभ्यास में मदद करते हैं। एनएलयू ने एक अधिसूचना जारी करते हुए यह जानकारी दी।

छोटी-बड़ी खबरें

विश्वविद्यालयों को लौटाना होगा नामांकन शुल्क

भोपाल. इस साल विभाग ने प्रवेश शुल्क के साथ ही नामांकन शुल्क भी जमा कराया था, जो विभाग ने अब विश्वविद्यालयों के खाते में हस्तांतरित कर दी है। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) ने नामांकन के लिए विद्यार्थियों को 30 नवंबर तक का समय दिया था। साथ नामांकन के 130 रुपए एवं एमपी बोर्ड को छोड़कर अन्य बोर्ड के छात्रों को 165 रुपए जमा करने के आदेश दिए थे। वहीं ऐसे छात्र जो नामांकन शुल्क जमा कर चुके हैं। उन्हें रसीद की कॉपी नामांकन के साथ जमा करने को कहा था। उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों को नामांकन शुल्क के संबंध में दिए गए निर्देशों को निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। यदि किसी विवि ने छात्रों से नामांकन शुल्क जमा कराया है, तो अब लौटाना होगा।

तृतीय सेमेस्टर: लेट फीस के साथ भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

भोपाल. बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) की पीजी तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 30 नवंबर थी। इसमें नियमति, स्वाध्यायी एवं एटीकेटी के छात्र शामिल हैं। लेट फीस 300 रुपए के साथ एक से 4 दिसंबर तक आवेदन जमा किए जाएंगे। वहीं विशेष विलंब शुल्क एक हजार रुपए के साथ छह दिसंबर से परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले तक फॉर्म भरे जा सकेंगे।

राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 10 दिसंबर से

भोपाल. मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य वन सेवा (2022) की मुख्य परीक्षा 10 दिसंबर को होगी। इसी के साथ प्रारंभिक परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को रोल नंबर जारी होंगे। बता दें कि राज्य वन सेवा परीक्षा-2022 में महज 15 पद ही घोषित किए गए हैं। ये सभी पद परियोजना क्षेत्रपाल के हैं, जबकि दोनों उच्च श्रेणी यानी सहायक वन संरक्षक और वन क्षेत्रपाल (रेंजर) का एक भी पद घोषित नहीं किया है।

आज दोपहर बाद पोस्टल बैलेट पहुंचाये जाएंगे स्ट्रांग रूम

मतगणना की पुख्ता तैयारियों का दावा, ईवीएम और पोस्टल बैलेट को लेकर खास सतर्कता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के विधानसभा चुनाव के बाद अब मतगणना की चाक चौबंद तैयारी की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन का कहना है कि सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 52 जिला मुख्यालयों पर कल 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना की सभी तैयारियां की जा चुकी हैं। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस आयुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केन्द्र में सुरक्षा मापदण्डों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। मतगणना का दिन शुष्क दिवस घोषित किया गया है। राजन ने बताया कि मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। केवल अधिकृत पास-धारक व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। मतगणना सेंटर पर प्रत्येक विधानसभा के लिए पृथक-पृथक मतगणना हॉल बनाए गये है, जहां आयोग के निर्देशानुसार टेबलों की व्यवस्था पोस्टल बैलेट एवं ईव्हीएम की मतगणना के लिए की गई है। मतगणना कर्मियों का रेण्डमाईजेशन त्रिस्तरीय होगा। प्रथम रेण्डमाईजेशन हो चुका है। द्वितीय स्तर का रेण्डमाईजेशन मतगणना के प्रारंभ से 24 घंटे पूर्व आज शुरू हो गया। तृतीय रेण्डमाईजेशन मतगणना के दिन कल सुबह 5 बजे होगा। सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए प्रेक्षक नियुक्त किए गए है, जो जिलों में पहुंच चुके हैं।

पोस्टल बैलेट पेपर आज पहुंचेगे स्ट्रंग रूम

पोस्टल बैलेट के लिए बनाए गए स्थानीय स्ट्रांग रूम से मतगणना सेंटर में बने पोस्टल बैलेट के स्ट्रॉग रूम में आज अपरान्ह 3 बजे के बाद पोस्टर बैलेट को स्थानांतरित करने की कार्यवाही होने वाली है। जिसकी सूचना मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों तथा अभ्यर्थी एवं उनके मतगणना अभिकर्ता को अनिवार्यत: दी जायेगी। पोस्ट से प्राप्त होने वाले सेवा निर्वाचकों के पोस्टल बैलेट मतगणना केन्द्र पर सुबह 8 बजे के पूर्व तक प्राप्त हो सकते है। इसके लिए रात्रि में पोस्टल डिपार्टमेन्ट को प्राप्त होने वाले पोस्टल बैलेट की डिलेवरी सुबह 8 बजे के पहले मतगणना केन्द्र पर हो जाएं, इस के लिये पोस्टल डिपार्टमेन्ट के नोडल अधिकारी / पोस्टमेन को पास जारी किए गए हैं।

पहले गिने जाएंगे पोस्टल वोट

सबसे पहले पोस्टल बैलेट की मतगणना शुरू होगी। पोस्टल बैलेट की मतगणना के आधे घण्टें पश्चात प्रात: 8.30 बजे ईव्हीएम से मतगणना प्रारंभ होगी। विधानसभा के पोस्टल बैलेट की मतणना समाप्त होते ही अभ्यर्थी वार डाक मतपत्रों के परिणाम की घोषणा की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राउंड पूरा होने पर नियमानुसार उस राउंड के परिणाम की घोषणा की जायेगी तथा दूसरे राउंड की गिनती प्रारंभ होगी।

63 हजार ने किया घर से मतदान

विधानसभा निर्वाचन में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 51 हजार 259 वरिष्ठ मतदाताओं एवं 12 हजार 93 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया। अत्यावश्यक सेवाओं के एक हजार 113 कर्मियों द्वारा मतदान किया गया। 3 लाख 4 हजार 623 मतदान कर्मियों द्वारा पोस्टल बैलेट से मतदान किया गया। वोटर हेल्पलाइन एप पर भी मतगणना के परिणाम उपलब्ध रहेंगे, इस हेतु इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा।

ईवीएम पर सीसीटीवी की रहेंगी नजरें

ईव्हीएम की मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपवाईजर एक काउंटिंग असिस्टेंट एवं एक काउंटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो आर्बजवर रहेगा। इसी प्रकार पोस्टल बैलेट की गणना टेबल पर एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी, एक काउंटिंग सुपरवाईजर, दो काउंटिंग असिस्टेंट तथा एक माइक्रो आर्बजवर रहेगा। माइक्रो आर्बजवर केन्द्र सरकार के विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे।
ईव्हीएम/पोस्टल बैलेट की टेबल पर अभ्यर्थी के काउंटिंग ऐजेन्ट रहेगें, जिनके बैठने का क्रम (1) मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दल, (2) ऐसे मान्यता प्राप्त अन्य राज्यों के राज्यीय दल, जिन्हें उस विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव चिन्ह नियत किया गया है, (3) अमान्यता प्राप्त रजिस्ट्रीकृत दल (4) निर्दलीय रहेगा।
राजन ने बताया कि स्ट्रॉग रूम से मतगणना हॉल तक मशीनें पहुंचने के लिए विधानसभा क्षेत्र वार पृथक-पृथक मार्ग / रास्ता / व्यवस्था निर्धारित की गई है, जिसका सीसीटीवी कवरेज होगा।
इलेक्शन आर्बजवर के अतिरिक्त किसी को भी मतगणना हॉल में मोबाईल ले जाने की अनुमति नहीं है। केवल रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी और काउंटिंग सुपरवाईजर जो ईटीपीबी से जुड़े हैं, वह केवल ईटीपीबीएमएस सिस्टम ओपन करने के लिए ओटीपी हेतु मोबाइल ले जा सकेंगे।

प्रीपेड पोल से गुमराह नहीं होंगे कांग्रेस कार्यकर्ता: वर्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने दावा किया है कि मप्र में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि टी.वी. चैनलों पर विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर जो एग्जिट पोल दिखायें हैं, यह एग्जिट पोल नहीं, बल्कि कांग्रेस और प्रदेष की जनता को भ्रमित और गुमराह कर उनका मनोबल तोड़ने के लिए भाजपा के षड्यंत्रकारी प्री-पेड पोल हैं। वर्मा ने कहा कि भाजपा द्वारा सत्ता हथियाने की साजिश रचकर कर्मचारियों-अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में है। जबकि जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी राजनैतिक रोटियां सैकने के लिए यह मनगणंत प्री-पेड पोल का इस्तेमाल कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने की नाकाम कोषिष की जा रही है।

थीसिस का मूल्यांकन नहीं होने से शोधार्थी परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) में थीसिस का मूल्यांकन नहीं होने से शोधार्थी परेशान हैं। थीसिस का मूल्यांकन दो प्रोफेसर से कराया जाता है। इसमें एक प्रोफेसर राज्य का और दूसरा राज्य के बाहर का होता है। दोनों की रिपोर्ट सही आने के बाद शोधार्थी को पीएचडी अवॉर्ड करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। इसमें एक भी प्रोफेसर आपत्ति देता है, तो तीसरे प्रोफेसर को थीसिस भेजी है। वह अपनी रिपोर्ट सही देता है, तो प्रक्रिया आगे बढ़ती है। इसमें भी कोई आपत्ति आती है, तो थीसिस शोधार्थी को देकर सुधार कराया जाता है। इसके बाद पीएचडी का नोटिफिकेशन जारी किया जाता है। समय से थीसिस का मूल्यांकन न होने के कारण शोधार्थी परेशान हैं। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में 70 विद्यार्थियों की थीसिस अटकी है। इन शोधार्थियों ने तीन माह पहले थीसिस जमा की थी।

मेट्रो एंकर

हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई

प्रथम वर्ष के छात्रों को किताबें उपलब्ध, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों को इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में शुरू होने के बाद इस शैक्षणिक वर्ष से प्रथम वर्ष के छात्रों को हिंदी में किताबें उपलब्ध हो सकी हैं। द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों को किताबों का इंतजार है। जानकारों की मानें तो सितम्बर माह में छात्रों को वितरित करना था, लेकिन अब तक इन किताबों का प्रकाशन नहीं हुआ है। ऐसे में मप्र के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की हिंदी की किताबों के प्रति छात्रों के साथ प्रबंधन का रुझान भी अब कम होने लगा है। यही कारण है कि प्रथम वर्ष की तीन विषयों की किताबों को गिने चुने छात्रों ने इश्यु कराया, वहीं द्वितीय, तृतीय और अंतिम वर्ष की किताबों का काम ही ठप्प पड़ गया। हालांकि चिकित्सा शिक्षा विभाग का दावा था कि बहुत जल्द द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों को भी किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी।

524 डॉक्टरों की टीम ने किया था हिंदी रुपांतरित

बताया जा रहा है कि इन किताबों को हिंदी में रुपांतरित करने के लिए 524 डॉक्टरों की टीम तैयार की गई थी। पूरे प्रोजेक्ट में 12 सब्जेक्ट्स की करीब 13 किताबों का ट्रांस्लेशन किया जाना है। इन किताबों को तैयार करने के लिए देशभर के मेडिकल कॉलेज में सर्वे किया गया है।

सुविचार

'' फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना, क्योंकि इस बार सुरुवात शून्य से नहीं अनुभव से होगी।''

-अज्ञात

संपादकीय

सुरक्षित सुविधा का तकाजा

शहरों में बहुमंजिला इमारतों के चलने तथा इसमें लिफ्ट को एक अनिवार्य सुविधा माना जाता है लेकिन यह असुरक्षित होती जा रही हैं। देशभर में लिफ्ट के धोखा देने की कई घटनायें सामने आ रही हैं। इसकी वजह स्थानीय प्रशासन की अनदेखी ही है। हालांकि इमारतों में घरों की खरीद-बिक्री के समय सबसे पहले यही देखा जाता है कि आवाजाही के लिए लिफ्ट की सुविधा है या नहीं। घर की खरीद-बिक्री में लोगों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापनों में आधुनिक लिफ्ट को एक विशेष पहलू के रूप में पेश किया जाता है।मगर लोग यह नहीं भांप पाते कि लिफ्ट कितनी सुरक्षित है और मानकों पर खरी है। इसीलिये पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जो ऊंची इमारतों की रिहाइश के सपने में एक अतिरिक्त भय की स्थितियां पैदा कर रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी समेत कई प्रदेशों में हादसे हुए, जिनमें लिफ्ट के टूटने या बंद होने की वजह से या तो लोगों की जान चली गई या फिर उन्हें गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ा। हाल में पश्चिमी ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख कोतवाली इलाके में स्थित एक आवासीय सोसाइटी में लगी दो लिफ्ट अचानक से बीच में ही रुक गई। उनमें आठ स्कूली बच्चों सहित बारह लोग मौजूद थे, जो लिफ्ट में ही फंस गए। जाहिर है कि ऐसी स्थिति में कोई बड़ी अनहोनी भी हो सकती है, लेकिन गनीमत है कि करीब पैंतीस मिनट की जद्दोजहद के बाद सोसाइटी के लोगों ने उन सबको किसी तरह बाहर निकाला। हैरान करने वाली बात यह है कि लिफ्ट में फंसे लोगों ने इंटरकाम और अन्य तकनीक के जरिए मदद के लिए संपर्क करने की भी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। स्वाभाविक ही अब समूची सोसाइटी के लोग वहां लगी लिफ्ट के इस्तेमाल को लेकर एक डर से गुजर रहे होंगे। संभव है कि इस हादसे को महज एक तकनीकी बाधा के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई तकनीक जीवन को जिस तरह आसान और सुविधाजनक बनाता है, उसी में बहुत छोटी लापरवाही, चूक या मामूली खराबी की वजह से लोगों की जान भी चली जाती है। करीब दो महीने पहले ग्रेटर नोएडा में ही एक बहुमंजिला इमारत की लिफ्ट गिर गई थी, जिसमें नौ लोग मारे गए थे। तब भी कारण के रूप में संचालन से लेकर रखरखाव में लापरवाही ही सामने आई थी। इस तरह के हादसे बार-बार सामने आने के बावजूद बहुमंजिला इमारतों के प्रबंधनों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत नहीं लग रही है कि लिफ्ट के जरिए लोगों की आवाजाही को सुरक्षित बनाई जाए। तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने के साथ-साथ सिर्फ निर्धारित और नियमित जांच से ही लिफ्ट हादसे के जोखिम से लगभग पार पाया जा सकता है। फिर लिफ्ट के संचालन को लेकर सब कुछ कई बार वहां रहने वाले लोगों के भरोसे ही छोड़ दिया जाता है। इसके अलावा, आपात स्थिति में सुरक्षा इंतजामों और सुरक्षा गार्डों सहित वहां रहने वाले लोगों के प्रशिक्षण को लेकर भी उदासीनता बरती जाती है। आमतौर पर जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक ऊंची इमारतों का रखरखाव विभाग नींद में खोया रहता है।चाहे मप्र हो या अब उप्र, लिफ्ट से होने वाले हादसों को रोकने के मकसद से एक सख्त कानून लाने की बात कही गई है, मगर कानून के साथ ही जरूरत यह है कि उसका पालन कराने वाले चौकस रहें और हादसा होने पर ही कार्रवाई न करें बल्कि हादसे रोकने के लिये तत्परता से कार्रवाई करें।

कविता

दर्द दुनिया का...

दर्द दुनिया भर का सीने में लिए जाते हैं हम
ज़िंदगी जीने की मजबूरी जिए जाते हैं हम

अपने दामन से छुड़ा अब कहते ग़ैरों का हुआ
बे-ख़ता दोहरी सज़ाएँ भी पिए जाते हैं हम

यूँ तो ये बाज़ार महफ़िल पर सभी वीरान हैं
फिर भी वीराने में आवाज़ें दिए जाते हैं हम

– रामदरश मिश्र

आज का इतिहास

- **1755** दूसरा अंगूठी प्रकाशस्तंभ आग से नष्ट किया गया।
- **1763** न्यूपोर्ट आरआई के टूरो शुल समर्पित (सबसे पुराना मौजूदा यू.एस. आराधनालय)
- **1802** यूनाइटेड किंगडम में प्रशिक्षु अधिनियम के स्वास्थ्य और नैतिकता प्रभाव में आयी, जिसके फलस्वरूप फैक्ट्रियों में बाल श्रम के लिए शर्तों को विनियमित किया गया।
- **1804** नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई।
- **1804** फ्रांस के सम्राट के रूप में नेपोलियन का राज्याभिषेक पेरिस के नोट्रे डेम कैथेड्रल में हुआ था।
- **1811** रेवरेंड सैमुअल मार्सडेन ने ऊन के पहले वाणिज्यिक नौवहन को न्यू साउथ वेल्स से इंग्लैंड भेजा।
- **1823** अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने नई दुनिया में यूरोपीय उपनिवेशवाद के विरोध के मोनरो सिद्धांत को जारी किया।
- **1840** विलियम हेनरी हैरिसन को संयुक्त राज्य अमेरिका के 9वें राष्ट्रपति के शपथ दिलाई गई।
- **1852** सेकंडफ्रेंच रिपब्लिक के अपने विघटन की एक साल की सालगिरह पर, लुई-नेपोलियन बोनापार्ट ने खुद को फ्रेंच का सम्राट घोषित किया और नेपोलियन III नाम लिया।
- **1852** नेपोलियन III फ्रेंच का सम्राट बना।
- **1887** फ्रांस के राष्ट्रपति ग्रेवी ने इस्तीफा दिया।
- **1899** फिलीपीन-अमेरिकन वॉर-ए 60-मैन फिलिपिनो रियर गार्ड को टिराद पास की लड़ाई में हराया गया था, लेकिन एमिलियो एगुइनलो के भागने को सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी सलाहकार को काफी देर कर दी।
- **1908** यंग सम्राट पुइ 2 साल की उम्र में चीनी सिंहासन पर बैठे।
- **1927** फोर्ड मॉडल टी उत्पादन के 19 वर्षों के बाद फोर्ड मोटर कंपनी ने मॉडल ए को अपनी नई ऑटोमोबाइल के रूप में बाजार में उतारा।
- **1942** पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) में श्री अरविंदो आश्रम स्कूल की स्थापना हुई, जिसे बाद में श्री अरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन के नाम से जाना गया।
- **1942** एनरिको फर्मी के नेतृत्व में मैनहट्टन प्रोजेक्ट-वैज्ञानिकों ने प्रयोगात्मक परमाणु रिएक्टर शिकागो पाइल -1 में पहली आत्मनिर्भर परमाणु श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू की।
- **1943** द्वितीय विश्व युद्ध- The Luftwaffe ने इटली के बारी में एक जहाज पर एक हवाई हमले में हमला किया, जिसमें 18 जहाज डूब गए और एक जहाज का सरस गैस का माल छोड़ दिया गया।
- **1956** क्यूबा के नेता फीडल कास्त्रो ने अपने देश को मुक्ति दिलाने के लिए आंदोलन आरंभ किया।
- **1971** सात अमीरातों के संघ के रूप में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का गठन हुआ।
- **1975** पाथेट लाओ ने वियनतियाने में शाही सरकार को उखाड़ फेंका, राजा सवंग वत्थना को छोड़ने के लिए मजबूर किया, और लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की स्थापना की।

एग्जिट पोल्स के दावे 'एग्जैक्ट पोल' से बहुत दूर भी होते हैं..!

जयसिंह रावत

'कोनृप होउ हमहि का हानी'' की कहावत अब इसलिए पुरानी हो गई क्योंकि यह धारणा आम आदमी में तब होती थी, जब राजा-महाराजाओं और सामंतों का जमाना था, जो कि वंशानुगत या तलवार की नोक पर सत्ता में काबिज होते थे और प्रजा की नियति केवल शासित होने की होती थी। लेकिन आज प्रजा ही राजा है और वहीं अपनी इच्छा और विवेक से अपनों ही में से चुनाव के द्वारा अपना राजा चुनती है, इसलिए चुनाव के प्रति जनता में भारी जिज्ञासा होना स्वाभाविक ही है।वैसे भी भारत में लोगों की सबसे अधिक जिज्ञासा वाले विषयों में क्रिकेट और राजनीति ही शामिल है। चूंकि राजनीति में चमत्कार होते रहते हैं और चुनाव किसी को फर्श से अर्श पर तो किसी को अर्श से फर्श पर बिठा देते हैं। यानी कि राजा को रंक और रंक को राजा बना देते हैं। यही नहीं सत्ता की हनक के साथ ही राजनीति आज सर्वाधिक कमाई वाला व्यवसाय हो गया है, इसलिए लोगों की चुनाव नतीजों में बेहद रुचि होना स्वाभाविक ही है, इसीलिए टेलिविजन चैनल वाले और मीडिया के अन्य अंग कुछ व्यावसायिक ऐजेंसियों से 'एग्जिट पोल' कराते हैं जो 'एक्जेक्ट पोल' से पहले आम आदमी का ध्यान आकर्षित करा कर अपनी टीआरपी या दर्शक संख्या बढ़ाने के लिए होते हैं।

दरअसल, ये कभी सटीक या एक्जेक्ट होते हैं तो कभी पूरी तरह फेल भी हो जाते हैं, इसलिए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों के लिए कराए गए'एग्जिट पोल्स' से राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों को न तो ज्यादा खुश होने और ना ही गमगीन होने की जरूरत है, उन्हें 3 दिसंबर को आने वाले ''ऐग्जेक्ट पोल'' का ही इंतज़ार करना चाहिए।हमारे देश में कई एजेंसियां जनमत एकत्र कर उनका विश्लेषण करती हैं। चुनावों में जनता की नब्ज टटोलने के लिए किए गए एग्जिट पोल का लोग बेसब्री से इंतजार भी करते हैं। इन एजेंसियों में चाणक्य, सी-वोटर और माइ एक्सिस जैसी कुछ ऐजेंसियां काफी लोकप्रिय भी हैं। लेकिन आप अगर ताजा विधानसभा चुनावों को लेकर इन तीनों एजेंसियों के एग्जिट पोल की तुलना करें तो जमीन आसमान का जैसा अंतर नजर आता है। एबीपी सी-वोटर मध्य प्रदेश में भाजपा को 88 से लेकर 112 सीट और कांग्रेस को 113 से लेकर 137 के बीच सीटें दे रहा है तो चाणक्य भाजपा को 151 और कांग्रेस को मात्र 74 सीटें दे रहा है। राजस्थान में भी वही हाल है। वहां एबीपी सी-वोटर भाजपा को 94 से लेकर 114 सीट तक और कांग्रेस को 71 से 91 तक सीटें दे रहा है जबकि चाणक्य के अनुसार राजस्थान में भाजपा को 89 और कांग्रेस को 101 सीटें मिल रही हैं। ऐसा ही विरोधाभास अन्य एजेंसियों के एग्जिट पोलों में भी है। जब स्यंभू जनता की नब्ज टटोलू एजेंसियों में इतना भारी अन्तर हो तो फिर वोटर आखिर विश्वास करे तो करे किस पर ?

जब एग्जिट पोल गलत साबित हुए : एग्जिट पोलों से अक्सर चुनाव परिणामों से पहले जनता की रुचि का रुझान पता चल जाता है। लेकिन ऐसे भी कई उदाहरण हैं जबकि एग्जिट पोल चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी करने में पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। ओपीनियन पोल तो लगता है राजनीतिक दलों के चुनावी प्रोपेगण्डा के ही हिस्से हो गए हैं। बहरहाल एग्जिट पोल की बात करें तो उत्तर प्रदेश विधानसभा के 2017 के चुनाव में एग्जिट पोल ने मिश्रित परिणाम की भविष्यवाणी की है, कुछ ने विभिन्न पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर का संकेत दिया। लेकिन जब परिणाम घोषित हुए तो वहां भाजपा ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। 2017 में गुजरात के एग्जिट पोलों ने राज्य में भाजपा की भारी जीत की भविष्यवाणी की थी और पार्टी को लगभग 112-116 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की थी। जबकि पूर्वानुमानों के विपरीत, भाजपा को 182 में से 99 सीटें ही मिलीं। दूसरी तरफ कांग्रेस ने वहां 77 सीटें जीतीं जबकि वहां अधिकतम 65 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया था। इसी तरह बिहार विधानसभा के 2015 के चुनाव में एग्जिट पोल में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और ग्रैंड अलायंस (जेडी (यू), राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले) के बीच कड़ी टक्कर की बात कही थी। हालाँकि, एग्जिट पोल के अनुमानों के विपरीत, ग्रैंड अलायंस ने निर्णायक जीत हासिल की। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 का उदाहरण भी हमारे सामने है। एग्जिट पोल में कई तरह की भविष्यवाणियां दिखाई गईं, जिनमें से कुछ ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के बीच करीबी मुकाबले का संकेत दिया था। हालांकि, टीएमसी ने जबरदस्त जीत हासिल की और अधिकांश एग्जिट पोल के अनुमान ध्वस्त हो गए। सन् 2016 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भी एग्जिट पोल में अलग-अलग अनुमान पेश किए गए, कुछ में एआईएडीएमके को संभावित बढ़त का संकेत दिया गया और कुछ में कड़ी टक्कर का संकेत दिया गया। वास्तविक नतीजों में एआईएडीएमके को कई एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को पार करते हुए बड़े अंतर से जीतते देखा गया।

क्यों एग्जेक्ट नहीं होते एग्जिट पोल? : ये उदाहरण भारत में चुनाव परिणामों की सटीक भविष्यवाणी करने में एग्जिट पोल के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं। विविध जनसांख्यिकी, क्षेत्रीय जटिलताएं, मतदाता व्यवहार और गठबंधन में बदलाव जैसे अनेक कारक एग्जिट पोल अनुमानों और वास्तविक चुनाव परिणामों के बीच सटीकता को संदिग्ध बनाते हैं। इसलिए, हालांकि एग्जिट पोल अक्सर रुझान तो ठीक ही बताते हैं लेकिन वे हमेशा अंतिम चुनावी परिणाम के विश्वसनीय संकेतक नहीं होते हैं। चुनाव एग्जिट पोल मतदाताओं का मतदान केंद्रों से बाहर निकलने के तुरंत बाद लिया गया सर्वेक्षण है। जबकि वास्तविक मतदाताओं द्वारा मतदान करने से पहले किए गए इसी तरह के सर्वेक्षण को प्रवेश सर्वेक्षण या इंटेंस पोल कहा जाता है। पोलस्टर या चुनावी सर्वेक्षक आम तौर पर मीडिया के लिए काम करने वाली निजी कंपनियां होती हैं जो चुनाव के नतीजों के बारे में शुरुआती संकेत पाने के लिए एग्जिट पोल करती हैं, क्योंकि कई चुनावों में वास्तविक परिणाम गिनने में कई घंटे लग सकते हैं।

एग्जिट पोल की शुरुआत कहां से? : एग्जिट पोल की उत्पत्ति का श्रेय विभिन्न व्यक्तियों और अनुसंधान संगठनों को दिया जा सकता है जिन्होंने समय के साथ इस पद्धति के विकास और परिशोधन में योगदान दिया। विभिन्न शोधकर्ताओं और संगठनों द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीक के रूप में इसके विकास के कारण किसी एक वास्तविक आविष्कारक या एग्जिट पोल के संस्थापक की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका में आधुनिक एग्जिट पोलिंग तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और परिष्कृत करने का श्रेय वॉरेन मिटोफ्स्की और जोसेफ वैक्सबर्ग को दिया जाता है। मिटोफ्स्की, एक अमेरिकी सर्वेक्षणकर्ता, को अक्सर एग्जिट पोलिंग के क्षेत्र में अग्रणी माना जाता है। उन्होंने एग्जिट पोल पद्धतियों को विकसित करने और मानकीकृत करने, उन्हें अधिक विश्वसनीय और सटीक बनाने पर काम किया।

साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं।

संविधान की उद्देश्यिका और कुछ महत्वपूर्ण प्रावधान

एल एस हरदेनिया

हमारे संविधान की उद्देशियका उसकी स्पंदन या धड़कन है। वह संविधान में निहित विचार व दर्शन को उद्घाटित करती है। यह विचार है सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा का। उन्होंने उद्देशियका में निहित सार्वभौमिकता, समाजवाद, धर्म निरपेक्षता, स्वतंत्रता और न्याय शब्दों की व्याख्या करते हुए कहा कि इन सब में संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र संविधान की आत्मा है जिसमें देश की एकता, बहुलता और संस्कृति व्याप्त है।

न्यायमूर्ति मिश्रा बेनेट विश्वविद्यालय के सात दिवसीय संविधान महोत्सव के अंतिम दिन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। अपने भाषण के प्रारंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशियका का महत्व समझाया। वह सच पूछा जाए तो संविधान की आत्मा है और संविधान में निहित उसके मूल चरित्र को स्पष्ट करती है। उद्देशियका के प्रारंभ के शब्द 'हम भारत के लोग' पूरे संविधान में निहित दर्शन को स्पष्ट करते हैं। ये शब्द यह स्पष्ट करते हैं कि हम भारत के लोगों में ही संविधान की सार्वभौमिकता निहित है। उद्देशियका के अंतिम शब्दों का उल्लेख करते हुए मिश्रा जी ने कहा कि ये शब्द हैं कि ''हम इस संविधान को स्वीकार करते हैं और इसे कानून का रूप देते हुए स्वयं को सौंपते हैं÷। इस संविधान की खासियत यह है कि यह हमारे ऊपर यह किसी बाहरी ताकत ने नहीं लादा अपितु इसे देश के निवासियों ने स्वयं को सौंपा है। देश के स्तर पर इस धर्मनिरपेक्ष संविधान को लागू करने की जिम्मेदारी सर्वोच्च न्यायालय ने मॉब लिंचिंग संबंधी मामले में अपने निर्णय में निभाई है। अपने निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि नागरिकों की स्वतंत्र आवाजों को दबाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उद्देष्यिका ही इस बात की घोषणा करती है कि भारत एक सेक्युलर देश है। धर्मनिरपेक्षता का आशय है कि राज्य सत्ता का कोई अधिकृत धर्म नहीं है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ और स्पष्ट प्रावधान है कि देश के नागरिकों को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धर्म को मानने और उसका प्रचार-प्रसार करने की पूरी आजादी है। संविधान न सिर्फ किसी भी धर्म को मानने की छूट देता है वरन् ऐसे व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी भी देता है जो किसी भी धर्म को नहीं मानता है और इस बात की भी गारंटी देता है किसी भी नागरिक के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होगा।

न्यायमूर्ति बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। जैसा हम जानते हैं कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप से स्वीकार किया था।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

कल होगा सिवनी मालवा विस के भाग्य का फैसला

कौन होगा विधायक अटकलों का दौरा जारी है

सिवनी मालवा, संतोष सिंह चंदेल

मवठे की बारिश से बने इस खुशनुमा मौसम में कड़कडाती ठंडी में भी राजनीतिक सरगर्मियां अब धीरे-धीरे तेज होती जा रही हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के चेहरे पर चमक और माथे पर पसीना और दिल की धड़कन कम ज्यादा होना लाजमी है। अपनी अपनी पार्टियों के कार्यकर्ताओं की रातों की नींद और दिन का चैन सब कुछ दाव पर लगा हुआ है,क्योंकि कल 3 तारीख को मतदाताओं द्वारा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला जो 17 तारीख को ईवीएम मशीन में बंद कर दिया गया था जो कल खुलने जा रहे है। जनता जनार्दन ने तो 17 तारीख को ही अपना मुख्यमंत्री और विधायक चुन लिया और उसी को देखते हुए मतदान भी किया।अब देखना यह है कि ईवीएम मशीन किसका भाग्य बदलती है और किसका नहीं कौन कुर्सी पर बैठेगा और कौन नहीं बैठेगा। इस

कड़कडाती सर्दी में गरम चाय की चुस्कियां लेते हुए चौक चौराहा पर अपने-अपने विधायक की दावेदारी करते हुए भी लोग आसानी से दिखाई दे रहे हैं वही हार जीत पर दाव लगाने की भी बातें सामने आ रही है।

अपनी अपनी पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने बाजारों में लड्डू और मिठाइयों के ऑर्डर तो दे दिए गए हैं और पटाखे की लंबी लड़ी के ऑर्डर भी बस अब पटाखे की लंबी लड़ी को रोड़ पर बिछाने के लिए आम जनता और कार्यकर्ता तैयार है पर यह पटाखे और लड्डू किस खेमे में बाटेंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। किस पार्टी का विधायक जीत का जुलूस निकलेगा यह भी स्पष्ट नहीं है लेकिन क्षेत्र की जनता ये जरूर जानती है कि हमें किस विधायक के विजय जुलूस पर फूल बरसाना है यह उन्होंने पहले ही तय कर रखा है। तो वहीं दूसरी ओर कल मतगणना की पूरी तैयारी प्रशासनिक अधिकारों ने कर रखी है प्रशासनिक अधिकारियों ने जिले में होने जारी मतगणना को लेकर पूरी मुस्तैदी से तैयारी कर रखी है। जिसको लेकर जिला कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और एसपी डॉक्टर गुरु करण सिंह की सक्रियता से ही नर्मदा पुरम जिले के चारों विधानसभाओं पर चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं। कोई भी लापरवाही ना हो इसके लिए सख्त से सख्त कदम उठाने की भी बात सामने आ रही है।

सिवनी मालवा के नर्मदा किनारे रेत माफिया फिर हुए सक्रिय, पोकलेन मशीन से डंपरों में भर रहे लाखों की अवैध रेत

बाबरी घाट पर चल रहा अवैध कारोबार प्रतिदिन बिक रही 25 लाख की रेत!

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा तहसील के शिवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बाबरी में नर्मदा किनारे रेत माफियाओं द्वारा पोकलेन मशीन से डंपरों में अवैध रूप से लाखों रूपए की रेत भरी जा रही है।

इस अवैध कारोबार से प्रतिदिन 25 लाख की रेत बेची जा रही है। इससे राजस्व को जबरदस्त घाटा भी हो रहा है। रेत माफिया द्वारा यहां से निकली जा रही रेत में पुलिस और स्थानीय नेताओं की मिली भगत से भी इनकार नहीं किया जा सकता।जनप्रतिनिधियों और गांव के लोगों ने एसडीएम और कलेक्टर से फोन पर बात कर यह अवैध कारोबार रुकवाने की मांग की है और रेत माफिया पर कार्यवाही की बात कही है।

पुलिस चौकी होने के बाद भी हो रही इतनी बड़ी वारदात

फोकलेन मशीन को नर्मदा में उतारकर डंपर भरे जा रहे हैं। शासन प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। बाबरी घाट शिवपुर थाना से मात्र 8 किलोमीटर दूर है। सिवनी मालवा थाना एसडीएम कार्यालय से केवल 24 किलोमीटर की दूरी पर है। शहरों में पुलिस चौकसी होने के बावजूद भी रात में भारी मात्रा में डंपर कैसे निकल जाते हैं यह सोचनीय विषय है और सोचकर इससे ताज्जुब भी होता है। 34 हजार रूपए प्रति डंपर के हिसाब से रेत बेची जा रही है। हिसाब लगाएं तो रोज राजस्व को कितना घाटा हो रहा है । 24 से 25 लाख की रेत प्रतिदिन बेची जा रही है जिसका कोई हिसाब किताब नहीं है। अधिकारी मौके पर जाकर देखे तो 20 से 25 फीट के गड्ढे सामने नजर आ जाएंगे।

राजस्व को हो रहा जबरदस्त घाटा पुलिस, स्थानीय नेताओं की मिली भगत से इंकार नहीं

गांव के कुछ नेता भी हो सकते हैं लिप्त

ग्राम बाबरी के घाट के किनारे रेत का बड़ा कारोबार हो रहा है। यह अवैध कारोबार मशीनों से किया जा रहा है। सिवनी मालवा से इतने नजदीक होने के बाद भी रेत माफिया यहां कैसे सक्रिय हुआ यह सोच की विषय है। गांव के ही कुछ नेता भी इसमें शामिल हो सकते हैं इससे इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि स्थानीय नेताओं और पुलिस की मिली भगत के बगैर डंपरों का दौड़ना बहुत मुश्किल है।

रोज ढो रहे हैं लाखों रुपए की अवैध रेत

इस घाट से रेत माफिया रोज लाखों रुपए की रेत ढो रहा है। डंपरों को पैक कर बाहर भेजा जा रहा है। लाखों रुपए का राजस्व घाटा हो रहा है। इसके साथ ही मशीनों से रेत भरी जा रही है इससे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। वही यदि लीगल तरीके से इस घाट से रेत बेची जाती तो मजदूरों से रेत निकलवाई जाती , जिससे उन्हें मजदूरी मिलती और शासन को राजस्व प्राप्त होता , लेकिन यहां पर अवैध रूप से रेत माफिया रेत निकाल रहा है जिससे काफी नुकसान हो रहा है। अब प्रशासन को इन पर सख्त कार्रवाई करना चाहिए।

जिला जनपद सदस्य ने की शिकायत

नर्मदा जी के बाबरी घाट पर हो रहे अवैध रेत के उत्खनन को लेकर जिला जनपद सदस्य अजीत सिंह मंडलोई ने कलेक्टर के नाम का ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय में सौंप कर इस अवैध रेत उत्खनन को रोकने की मांग की है

राजनीतिक पंडितों ने की भविष्यवाणी...

नर्मदा पुरम जिले में खिलेगा कमल का फूल या ..?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रविवार को शाम तक पूरा नजारा साफ हो जाएगा की प्रदेश में किसकी सरकार बनने वाली है और किस जिले से किस दल के प्रत्याशी ने विजयश्री हासिल की है। जीत हार के दावों को लेकर विभिन्न प्रचार तंत्र द्वारा ओपिनियन पोल जारी किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि किस दल की की सरकार कहां बनेगीऔर किस जिले से कौन प्रत्याशी जीतेगा। इन सब आंकड़ों को लेकर राजनीतिक पंडितों के दावे यथार्थ की धरातल पर कितने सच साबित होंगे यह तो रविवार को ही पता चलेगा। कुछ इसी तरह के भविष्यवाणी राजनीतिक पंडितों द्वारा नर्मदा पुरम जिले की चारों विधानसभा को लेकर भी की जा रही है।

कितनी सच होगी ओपिनियन पोल को लेकर की गई भविष्यवाणी...

कुछ राजनीति कारों का मानना है कि उनके विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ है कि जिले की चारों विधानसभा सीट नर्मदापुरम सिवनी मालवा सोहागपुर एवं पिपरिया से भाजपा प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित है और चारों जगह से कमल का फूल खिलखिलाहट के साथ खिलने जा रहा है।

इन विश्लेषण कारों का मानना है कि नर्मदापुरम विधानसभा के अलावा अन्य तीनों विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। नर्मदापुरम विधानसभा सीट पर एक निर्दलीय प्रत्याशी को लेकर चर्चा का विषय है कि वह इस बार चुनाव जीत सकता है। परंतु राजनीतिक पंडित मतदाताओं के इस दावे को भी एक सिरे से खारिज करते नजर आ रहे हैं। उनका तर्क है कि अभी तक जिले के इतिहास में कोई भी व्यक्ति निर्दलीय रूप से विधानसभा का चुनाव नहीं जीत सका तो फिर इस बार क्या समीकरण है कि एक निर्दलीय प्रत्याशी बरसों पुराने जमें जकड़े दलों को पछाड़कर आगे निकल जाएगा।

राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणी कितनी सही है कितनी नहीं इस बात को लेकर तो अभी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है लेकिन नर्मदा पुरम जिले की जनता परिवर्तन देखने के मूड में है। और उसे उम्मीद है कि इस बार परिवर्तन होकर रहेगा। किसी विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी भी जीत सकते हैं तो कहीं से वर्तमान की जगह नए प्रत्याशी को भी मौका मिल सकता है।

कुछ जानकारों का कहना है कि निर्दलीय प्रत्याशी जीत भले ही हासिल ना कर पाए पर जीत हार के समीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसा प्रभाव एक पिछले विधानसभा चुनाव में देखा भी गया है। नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के कार्यकर्ता प्रशांत तिवारी ने भाजपा से बागी होकर भाजपा प्रत्याशी मधु हरणे को हरा दिया था।निर्दलीय के रूप में उन्होंने करीब 12000 मत हासिल किए थे। और मात्र 15 मतों से कांग्रेस प्रत्याशी की जीत हुई थी।

इसी प्रकार सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के बागी प्रत्याशी हरि पटेल ने बसपा की टिकट से चुनाव लड़कर कांग्रेस के हजारी लाल रघुवंशी को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इससे एक बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि अपनी अपनी पार्टी से बागी होकर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों द्वारा पार्टी को नुकसान भले ही पहुंचा जा सकता है लेकिन जीत हासिल करने में उन्हें कामयाबी अभी तक तो नहीं मिली है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि फिर इस बार मतदाता किस मुगालते में है कि नर्मदा पुरम या जिले की अन्य विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी की जीत होगी।

मतगणना अधिकारियों/ कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन के तहत मतगणना के लिए नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों को शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज नर्मदापुरम में द्वितीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने पॉलिटेक्निक पहुंचकर प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना में संलग्न अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे ईवीएम और पोस्टल बैलट की गणना प्रक्रिया के दिशा निर्देशों को अच्छे से समझे। किसी भी प्रकार की शंकाओं का त्वरित समाधान कराएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की सभी मतगणना अधिकारी कर्मचारी अपने पास के साथ मतगणना स्थल पर समय पर पहुंचे। सुबह 6-45 बजे तक अनिवार्य रुप से अपने मतगणना कक्ष के निर्धारित स्थानों पर बैठे। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष में मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी मतगणना अधिकारी कर्मचारी मोबाइल फोन या अन्य कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर मतगणना

कक्ष पर ना आए यह सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही की दशा में संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, इलेक्शन सुपरवाइजर कैलाश दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना के संबंध में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम। विधानसभा निर्वाचन के तहत 3 दिसंबर को चारों विधानसभाओं की मतगणना की जाएगी। मतगणना के संबंध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजनैतिक दलों को मतगणना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मतगणना स्थल में परिवर्तन करते हुए संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम को मतगणना केंद्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि 2 दिसंबर को दोपहर 3-00 बजे सभी विधानसभाओं के स्ट्रांग रूम खोले जाकर पोस्ट बैलेट काउंटिंग स्थल पर लाएं जाएंगे। पोस्टल बैलट को मतगणना केंद्र पर बनाएं गए स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा। राजनीतिक दलों के अभ्यर्थी एवं उनके प्रतिनिधि इस दौरान उपस्थित रह सकते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि 3 दिसंबर को पोस्टल बैलट की गणना के साथ सुबह 8:00 बजे से मतगणना प्रारंभ हो जाएगी। इसके पूर्व सुबह 7:30 बजे पोस्टल बैलट का स्ट्रांग रूम और उसके बाद 7:45 बजे ईवीएम का स्ट्रांग रूम खोला जाएगा।

मेट्रो एंकर | कम्प्यूटर आधारित कौशल विकास नवाचारों पर कार्यशाला आयोजित

रोजगार को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल ने दिया मार्गदर्शन

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदा महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा भविष्य में कौशल विकास और रोजगार के आधार पर किस प्रकार की स्कीम दक्षता की आवश्यकता होगी जो इंडस्ट्री डिमांड के अनुसार विद्यार्थियों के रोजगार में सहायक होगी उक्त विषय को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के लिए डॉ. अनुराग कुलश्रेष्ठ, डॉ. नीना तिवारी, वैभव पाराशर ,डॉ. राकेश शर्मा उपस्थित हुए। प्राचार्य डॉ. ओ. एन. चौबे ने विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में स्किल डेवलपमेंट के साथ जॉब के लिए ऐसे कोर्स दिशा निर्धारित करते हैं। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के लिए ऐसे नवाचार, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण निश्चित रूप से कैरियर के लिए सहायक होंगे। आगामी वर्ष में ऐसे संस्थानों में युवाओं को इंटर्नशिप और ट्रेनिंग के लिए भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही

है।विभागाध्यक्ष डॉ. एस. सी. हर्ने ने पढाई के साथ मल्टीमीडिया और कम्प्यूटर आधारित विभिन्न प्रोग्रामों को सीखना और कौशल विकास करना कार्यशाला का उद्देश्य बताया।

डॉ. अनुराग कुलश्रेष्ठ स्किल बेस्ड पढ़ाई की उपयोगिता तथा ह्रश्वक्र 20 में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। वैभव पाराशर जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कई विज्ञापनों तथा फिल्मों में एनीमेशन या तकनीकी सहायक के रूप में कार्य किया है जो वर्तमान में स्कोप यूनिवर्सिटी में फैकल्टी हैं उन्होंने एनीमेशन तथा गेमिंग के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. नीना तिवारी ने विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी और भविष्य में ऐसे नवाचारों की आवश्यकता और दक्षता पर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने संचालन और डॉ. मीना कीर ने आभार प्रस्तुत करते हुए बताया कि एन. ई. पी. का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार से जोड़ना है लिहाजा प्रश्नोंत्तरी द्वारा उनका मूल्यांकन किया गया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ आर एस बोहरे, डॉ केशव मिश्रा, डॉ नीता वर्मा, डॉ रोशनी थापक, चेतना पवार और डॉ अंजना यादव, मयंक वाधवानी, खुशी साहू,महक खान, शिवांक दुबे, आयुष मालवीय, अंजलि, सुमित, हर्ष, सर्वेश सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

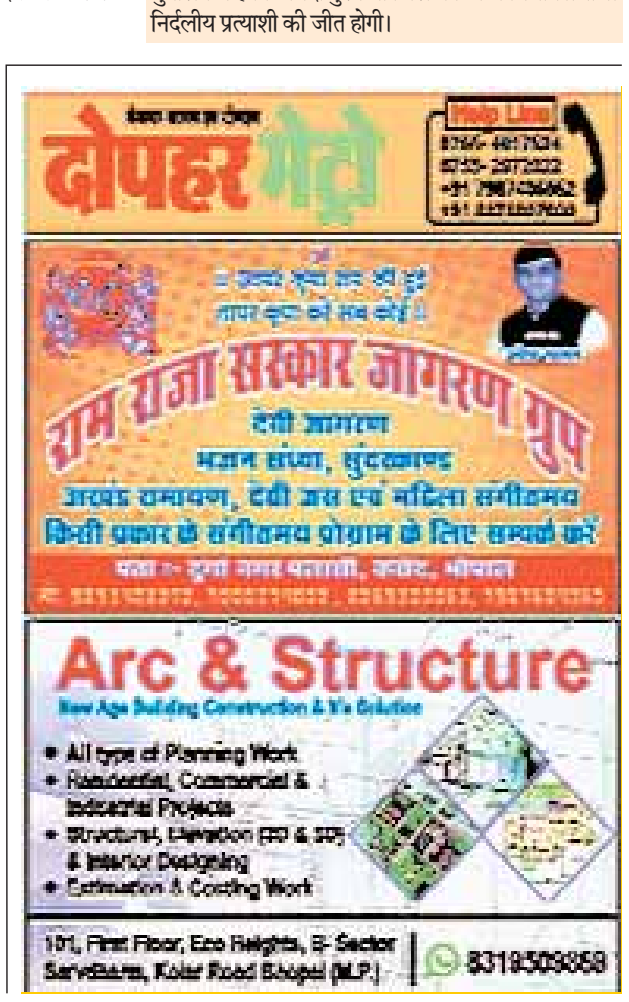

नपा प्रशासन की लापरवाही दे रही है हादसे को आमंत्रण

नल लीकेज के लिए सड़क खोदकर छोड़ी, सड़कों पर महीनों से पड़ा मटेरियल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद का संचालन तो भगवान भरोसे ही हो रहा है यहां की व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। हम जनता की समस्याओं का समाधान तो हो नहीं रहा है दूसरी और लाखों रुपए की लागत से बनी सी सी सड़कों को बर्बाद किया जा रहा है । वही आम आदमी को परेशान करने के लिए सड़क खोज कर छोड़ दी जाती है कई लोगों के द्वारा मकान के निर्माण के लिए डाले गए पदार्थ को कई दिनों तक नहीं उठाया जाता है , मटेरियल को डालकर छोड़ छोड़ देने का काम किया जाता है । जिससे ऐसा लगता है कि इनकी जगह पर यह मटेरियल हो जबकि सरकारी संपत्ति पर इस तरह से सामान डालने पर प्रतिबंध है ऐसा करने वालों पर जुर्माना साथ मटेरियल जप्त करने का अधिकार भी प्रशासन के पास है पर ऐसा नहीं हो रहा है इसकी वजह से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। इसकी वजह से दुर्घटनाएं भी हो रही है शिकायतों पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।इस कारण नगर पालिका के खिलाफ आम जनता में आक्रोश भी बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदारी कर्मचारियों की लापरवाही कारण नगर वासियों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतों के बाद भी समय रहते जिम्मेदार निराकार भी नहीं करते है। दूसरी ओर शहर में जल आवर्धन योजना के अंतर्गत डाली गई पाइप लाइन में प्रतिदिन कहीं ना कहीं लीकेज के होता है। इसकी वजह से लाखों रुपए की लागत से बनाई जा रही है। सीसी सड़कों को खोदने का काम भी किया जाता है । सड़क निर्माण के दौरान नालियों मैं पदार्थ डालकर छोड़ दिया जाता है इसकी वजह से वहां चौक हो रही है कम होने के बाद ठेकेदार के द्वारा इनको ठीक भी नहीं करवाया जाता है। इसकी वजह से रहवसियों को पानी निकासी की समस्या का सामना भी करना पड़ा।

इसी तरह की एक लापरवाही फिर सामने आ रही है पीर पीरजादापुरा में पाइपलाइन का लीकेज ठीक करने के लिए सड़क को खोद कर छोड़ दिया गया है, आसपास सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं वाहनों का आना जाना निरंतर जारी है रात के अंधेरे में भी किसी वाहन चालक को खड़ा दिखाई नहीं दिया तो वह इसमें गिरकर दुर्घटना का शिकार भी हो सकता है। लापरवाही के कारण बड़ी जनहिन भी हो सकती है। इसका जिम्मेदार कौन होगा ऐसे हालात शहर में कई जगह आए दिन देखने को मिलते हैं। जिन स्थानों पर लाइन लीकेज होते हैं वहां पर पहले ही चौंबर बनाना चाहिए जिससे लाइन लेकर होने पर सीसी को ना खोदना पड़े चौंबर होने से लीकेज होने पर सड़कों को इस तरह से खोदना भी नहीं पढ़े आज हालात हैं कि अधिकांश सड़कों को पानी सप्लाई लाइन में लीकेज होने के करण खोदना पड़ता है और कई दिनों तक इसको ऐसा ही छोड़ दिया जाता है । इसकी वजह से लाखों की लागत से तैयार हुई सड़क गड्ढों में परिवर्तित हो रही है। दूसरी ओर या लापरवाही किसी दिन नगर पालिका प्रशासन को महंगी ना पड़ जाए वही शिकायतों के बाद भी नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा तो ध्यान दिया ही नहीं दिया रहा । जनता के पैसे का दोहन किस तरह से किया जा रहा है। इसकी किसी को कोई चिंता नहीं है शिकायतों के बाद भी इस तरह की लापरवाहियों में सुधार करने का काम नहीं किया जा रहा है। क्योंकि इनके पास इतना समय ही नहीं है ना ही सीएमओ जयंत वर्मा जब से पदस्थ हुए हैं तब से हालात और भी ज्यादा खराब हो गए हैं। इनके द्वारा शहर हित में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है । इनकी कार्य शैली पर भी सवाल आए दिन खड़े हो रहे हैं । नगर पालिका में पदस्थ अधिकांश अधिकारी ओर कर्मचारी इनकी बात को गंभीरता से नहीं लेते हैं इसकी वजह से हालात और भी ज्यादा खराब होते जा रहे हैं । इसी तरह निर्माण कार्य करने के लिए कई लोगों के द्वारा सड़क पर ही मटेरियल को डालकर छोड़ दिया जाता है। कुछ लोगों के द्वारा इसको महीना तक सड़क पर से नहीं उठाया जाता है। इसके कारण यह रास्ता कई दिनों तक बंद रहता है आने जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी होती है । जबकि सड़क पर मटेरियल डालने वालों पर कार्रवाई करने के नियम है फिर भी किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। कुछ स्थानों पर निर्माण के दौरान नालियों को भी बंद कर दिया जाता है इस वजह से रहवासियों को पानी निकासी की समस्या का सामना भी करना पड़ रहा है। इस संबंध में इंजीनियर और सीएमओ को अवगत कराया जाता है तो वह कहते हैं हम दिखाकर कार्रवाई करते हैं पर कई दिनों तक समस्या का समाधान नहीं होता है ।

नगर पालिका परिषद तो भगवान भरोसे ही संचारित हो रही है आम जनता की समास्या को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि नगर पालिका परिषद के इतने बुरे हाल हुआ है कि अधिकारी से लेकर कई कर्मचारी किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए तैयारी नहीं होते हैं वहां पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है भ्रष्टाचार का खेल जरूर जोर से चल रहा है।जनता ने जिस उम्मीद से पार्षदों को चुनकर भेज हैं उनके द्वारा भी अपने काम को गंभीरता से नहीं किया जा रहे । इसके कारण हालत खराब हो गए हैं। जल्दी ही हालत नहीं सुधरे तो हम जनता के हित में बड़ा प्रदर्शन भी करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित, कार्रवाही के नाम पर खानापूर्ति

रात के अंधेरे में खनन माफिया सक्रिय शासकीय भूमियां, खंडहरों में तब्दील

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर से चार किलोमीटर दूर रात के अंधेरे में परसोरा - बगरोदा कि पठार पर जमकर मुरम कोपरा का अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है। डंपरों के जरिये नगर से 2 किलोमीटर दूर निजी कालोनियों में मुरम डाली जा रही है और प्रशासन चुपचाप हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है, की माफियाओं पर नकेल कसने में प्रशासनिक अमला नाकाम साबित हो रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उत्खनन माफिया द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों को धमकाया जाता है जिससे वे चुप रहते हैं। इस तरह रात में डंपरों से मुरम का परिवहन किया जा रहा है। खनन माफिया बड़े पैमाने पर निजी कॉलोनियों में मुरम डाल रहे हैं। क्षेत्र में खुलेआम खनन कारोबारियों द्वारा खुदाई की जा रही है। कारोबारी न तो नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही सरकार को रॉयल्टी चुका रहे हैं। जिससे सरकार के राजस्व को प्रतिदिन लाखों रुपए की चपत लग रही है। ज्ञात हो की स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त थे, तो वही अब चुनावी मतगणना को लेकर जरूरी व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं। इसी का फायदा उठाकर उत्खनन माफिया अवैध कार्य को अंजाम दे रहे हैं। हालांकि, कुछ नेता प्रशासन पर यह आरोप जरूर लगा रहे हैं कि कहीं-कहीं तो अधिकारी माफिया से सांठगांठ कर उन्हें जानबूझकर मौका दे रहे हैं। जिसके कारण इन पहाड़ियों को खनन माफिया खंडर बनाते चले जा रहे हैं।

पंचायतों की मिलीभगत से खुलेआम चल रहा अवैध उत्खनन जिम्मेदार मौन

अन्य जगहों पर भी अवैध उत्खनन जारी

प्रशासन की नाक के नीचे वर्तमान समय में नसिया जी मंदिर के ऊपर देवपुर की घाटी के नाम से प्रसिद्ध पहाड़ी पर इन दिनों बिना रोकटोक के अवैध खनन हो रहा है। यहां पर जेसीबी मशीन द्वारा बिना किसी नियम का पालन किए उत्खनन कारोबारी अधिकारियों के साथ सांठगांठ करके खुदाई कर रहे हैं। वहीं बगरोदा-परसौरा की पठार पर भी बेरोकटोक खुदाई करके प्रतिदिन डंपरों व ट्रैक्टर- ट्रॉलियों से मुरम निकालकर बिना रॉयल्टी चुकाए ले जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हम लिखित शिकायत करते हैं उत्खनन माफिया हमारे घर आकर हमें धमकाते हैं इसलिए हम शिकायत करने से डरने लगे हैं। इसी का फायदा उठाकर यह माफिया रात के अंधेरे में शासन को लाखों रुपए की हानि पहुंचा रहे हैं। वही बगरोदा के ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को शिकायतें की जा चुकी हैं लेकिन फिर भी क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य बंद नहीं हो रहा है। पहले तो खनन कारोबारी तालाबों व नदियों में से चोरी छिपे रात में खुदाई कर मिट्टी मुरम व रेत ले जाते थे लेकिन अब यह इतने बेखौफ हो चुके हैं कि दिन के उजाले में ही यह कार्य खुलेआम कर रहे हैं। फिर भी कार्रवाई नहीं होना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

ग्राम पंचायतों ने क्यों नहीं की शिकायत

इतने बड़े स्तर पर रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा जेसीबी के माध्यम से जिस जगह पर मुरम का अवैध उत्खनन हो रहा है वह जमीन ग्राम पंचायत परसौरा की है और रास्ता ग्राम पंचायत बगरोदा का लगातार उत्खनन करने के कारण सारा रास्ता खराब हो चुका है किसानों ने कई बार ग्राम पंचायत प्रमुखों से शिकायत भी की इसके बाद भी उत्खनन ना रुकने से ऐसा लग रहा है कि पंचायतों की भी इसमें मिलीभगत है। जिसकी वजह से खनन माफिया के हौसले बुलंद हो रहे हैं और प्रशासन कार्रवाई करने से बच रहा है।

इनका कहना है -

नायब तहसीलदार को भेज कर हम दिखवाते हैं, यदि उत्खनन हो रहा है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हर्षल चौधरी , एसडीएम सिरोंज

कायाकल्प की सड़क बनाने में दिख रही लापरवाही, बारिश में सड़क पर भरा पानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका प्रशासन के द्वारा कायाकल्प योजना के तहत बलेज पेट्रोल पंप से लेकर छात्री चौराहे तक सड़क चौड़ी करने की लिए सीसी डलवाने का काम भोपाल के ठेकेदार से करवाया जा रहा है, उसके द्वारा पूरा कम लापरवाही से किया जा रहा है। शिकायतों के बाद भी नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों आंखें बंद करके भुगतान करने में लगे हुए किया जा रहा हैं। दूसरी ओर जल्दी-जल्दी में सड़क बनाने में वाटर लेवल का ध्यान न रखते हुए सड़क डालने के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही है। इसकी वजह से बारिश होने पर पानी सड़क पर ही भर गया क्योंकि वाटर लेवल सही नहीं मिलाया जा रहा है। इसकी वजह से जगह-जगह झील के रूप में सड़क का निर्माण होने से पानी नहीं निकल रहा है। सड़क का निर्माण हो रहा है। नगर पालिका के इंजीनियर और अधिकारियों इस तरह से घटिया कार्य करने वाले ठेकेदार पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं उल्टा बगैर जांच पड़ताल की भुगतान करने का काम किया जा रहा है । इस वजह से ठेकेदार के होंसले भी बुलंद हैं। रात के अंधेरे में सड़क बनाने का काम होता है तो उस समय उसकी जांच पड़ताल करने के लिए भी कोई नहीं पहुंचता है ठेकेदार अपने हिसाब से सड़क बनाने के नाम पर औपचारिकता पूरी करके भ्रष्टाचार को अंजाम देने में लगा हुआ ऐसा प्रतीत हो रहा है। वही इसमें कहीं ना कहीं नगर पालिका के अधिकारी तथा संबंधित इंजीनियर की मिली भगत नजर आ रही है ,तभी तो घटिया काम को रोकने का काम नहीं कर रहे है। इसी तरह सड़क पर पानी भरा रहेगा तो आने वाले दिनों सड़क जगह से उखाड़ने लगेगी अब देखना है की लापरवाही से निर्माण को रोकने के लिए नगर पालिका के जिम्मेदार कदम उठाएंगे या नहीं ।

सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा बेघरों के लिए नगर पालिका ने नहीं किए इंतजाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले 5 दिनों से आसमान पर बादलों छाए हुए हैं सुबह की शुरुआत गाने कोहरे से होती है। गुरुवार को नगर सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में पानी गिरने से जहां किसानों को फायदा हुआ वहीं सर्दी का असर भी बढ़ने लगा है। दोपहर के बाद हल्की हवाएं भी चलने से सर्दी का असर पड़ता ही जा रहा है जैसे ही मौसम साफ होगा तो कड़ाके की सर्दी भी पड़ेगी अभी इसी तरह मौसम खराब रहने की संभावना मौसम विभाग के द्वारा जाहिर की है। दूसरी ओर सर्दी का असर बढ़ते ही लोग जगह-जगह आग जलाकर आ सेकते हुए भी नजर आए गर्म कपड़ों की मांग भी बढ़ गई है। सर्दी के मौसम में सभी को ध्यान देना होगा घर से निकलते समय गर्म कपड़ों का उपयोग ज्यादा से ज्यादा मात्रा में करें। वही नगर पालिका प्रशासन के द्वारा बेसहारा लोगों के लिए सर्दी से बचने के लिए अभी कोई

जतन नहीं किए हैं । इसकी वजह से ऐसे लोगों को जरूर परेशानी हो रही है । शासन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को इस को ध्यान देकर इंतजाम करवाना चाहिए।

मोबाइल हैक करके लगाई 5 हजार रूपये की चपत, थाने में दिया आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भोली-भाली जनता को लूटने के लिए शातिर दिमाग का उपयोग करने वालों के द्वारा नए-नए तरीकों से चपत लगाने का काम करना प्रारंभ कर दिया है। इसी तरह का एक मामला को सामने आए जिसमें भगत सिंह सोलंकी के मोबाइल को पहले हैक किया फिर उसके खाते में 1 रुपया अपनी तरफ से डालकर बाद में खाते में जमा 5000 को पूरी तरह से गायब कर दिया जिसकी जानकारी भगत सिंह के मोबाइल पर पैसे निकालने का मैसेज आया तो उसने अपने खाते को चेक किया तो पता चला कि खाते में जो 5000 जमा थे पूरी तरह से गायब हो चुके छानबीन करने का पता चला कि किसी शाम कुमार के द्वारा उनके मोबाइल नंबर को हैक करके इन पैसों को गोलमाल करने का काम किया है । इसके बाद पीड़ित ने थाने में पहुंचकर थाना प्रभारी का आवेदन देते हुए अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी उस पर पुलिस ने आवेदन लेकर आगे कार्रवाई करने की बात कही है। मोबाइल से धोखाधड़ी करने का मामला गंभीर होने के बाद भी तत्काल कार्रवाई ना करते हुए हैक को पकड़ने

के लिए कोई कदम नहीं उठाया है ।इस तरह की शिकायत है आए दिन सामने आ रही है फिर भी लोगों के द्वारा ध्यान नहीं दिया इसकी वजह से हर दिन कोई ना कोई इनका शिकार हो रहा है। पहले फोन लगाकर इनाम खुलने का बहाना करके लोगों को चूना लगाते थे अब नया तरीका प्रारंभ कर दिया है। ऐसे लोगों से सावधान भी रहना होगा।

मेट्रो एंकर

निर्मला कान्वेन्ट स्कूल का स्वर्ण जयंती समारोह

फादर,प्रिसिंपल,शिक्षकों की कड़ी मेहनत का फल,संस्था इस ऊचाई पर: बिशप डॉ सेवस्टीयन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

निर्मला कान्वेन्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ईसाई धर्म के धर्मगुरू भोपाल आर्च बिशप डॉ सेवस्टीयन दुराईराज ने अपने उद्धबोधन मे कहा कि यह संस्था 1973 में प्रारंभ हुई थी इस संस्था के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होकर में अपने आपको गौरंवित महसूस कर रहा हूं। वही उन्होने जब यह संस्था प्रारंभ हुई थी उस समय की विसम परिस्थितियों का भी जिक्र किया। उन्होने बताया कि हम छत्तीसगढ केरल व अन्य प्रदेषो से संस्था में विद्यार्थीयों को उच्च शिक्षा देने के लिए जिन शिक्षको को बुलाया। उन शिक्षको ने बड़ी विषम परिस्थितियों में सिरोंज में रहकर संस्था के छात्र-छात्राओं को

अध्ययन कराया। उस समय यहा पर लाईट भी नही रहती थी और न ही आने जाने के लिए कोई साधन की कोई व्यवस्था थी। ऐसी स्थिति होने के बाद भी शिक्षकों ने छात्रों को अध्ययन कराया।

शहर के नागरिकों ने शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रतिनिधि मंडल इंदौर व भोपाल जाकर मिला। जिसका परिणाम यह रहा कि आज इस संस्था ने 50 वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण किए। वही उन्होने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि सिरोंज के निर्मला कान्वेन्ट स्कूल का प्रारंभ जिस फादर के द्वारा हुआ था में उनसे मिलने केरल गया। वही उन्होने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि

में शुक्रगुजार हूं कि संस्था में पदस्थ फादर एंव प्रिसिंपल, शिक्षकों की कड़ी महनत का ही यह फल है कि इस संस्था के शिक्षकों द्वारा छात्रों को अच्छी शिक्षा देने के कारण इस संस्था के छात्र आईएएस से लेकर बडें बडें पदो पर रहकर देष विदेश में कार्य कर रहें है साथ ही शहर व संस्था का नाम गौंरविंत कर रहें है। वही उन्होने एक वाक्य सुनाते हुए कहा कि मैने फेसबुक पर देखा था कि एक पुराने छात्र द्वारा एक कमेंट किया था कि निर्मला कान्वेन्ट स्कूल के फादर एंव सिस्टर ऊपर से जितने कड़क दिखते है वह अन्दर से उतने ही नरम है। वही उन्होने अपने उद्धबोधन के अंत में राष्ट्र कवि के पंक्तियों को सुनाया जिसकी लोगो ने भूरी भूरी प्रसन्नसा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के बैंड ग्रुप के सादस्यों द्वारा सभी अतिथियों को दिव्यघोष के साथ मुख्य द्वार से कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया। जहां अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर विधिवत कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया।

विद्यार्थियों ने दी आकर्षक संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति : कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। जिसमें विभिन्न प्रकार के नृत्य, एवं जुबली गीत, योगा नृत्य तथा कब्बाली आदि शामिल थे। बच्चों की प्रस्तुति पर अतिथियों एवं पालकों द्वारा जमकर उनकी सराहना की गई। विद्यार्थियों द्वारा वर्तमान समय पर कटाक्ष करते हुये नाटक बागवान का मंचन तैयार किया गया जिसमें माता-पिता द्वारा अपने पुत्रों को बड़े लाड प्यार से पालन पोषण करने के बाद भी पुत्र द्वारा अपने वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम में भेजे जाने की घटना का मार्मिक प्रदर्शन किया गया।

विद्यार्थियों तथा पूर्व मैनेजरों एवं प्राचार्यों को किया सम्मानित

कार्यक्रम के द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के हायर सेकेण्डरी परीक्षा में कॉमर्स संकाय के जिला टॉपर सूजल तारण तथा हाई स्कूल परीक्षा के टॉपर पियूष दांगी को सम्मानित किया गया। सम्मान के क्रम में आर्च बिशप भोपाल के द्वारा संस्था में पूर्व में मैनेजर के रूप में पदस्थ फादर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। तथा बिशप सागर के द्वारा संस्था में पूर्व में पदस्थ प्राचार्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में विद्यालय के कार्यों एवं शिक्षा गुणवत्ता की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन विद्यालय के हेड बाय वरूण रघुवंशी एवं हेड गर्ल ज्यूरिस सैयद द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथियों में यह रहें मौजूद

वर्ष 1973 से सिरोंज नगर में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत निर्मला कान्वेन्ट हायर स्कूल ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता सागर धर्मप्रांत के बिशप जेम्स अत्तीकलम ने की। साथ ही विशेष अतिथि के रूप में चैरिटी सिस्टर की सुपीरीयर जनरल मदर रिन्सी एवं सेंट पॉल प्रोविएन्स के फादर सिरिल कुट्टीयनिकल उपस्थित रहे। इसके अलावा शहरकाजी नसीम भाई,जिला पंचायत सदस्य श्रीमति पार्वती गगनेन्द्र रघुवंषी,पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी,जिला शिक्षा अधिकारी गोविन्द प्रसाद राठी, बीईओ उमेश सोनी, बीआरसी ओमप्रकाश रघुवंशी,सीएम राईस प्राचार्य महेष तामकार,पत्रकार अब्दुल अलीम,एडवोकेट शोईब खान,वरिष्ठ इंका नेता रजत गौड़, पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष मुनव्वर खान, पत्रकार अल्ताफ खान,जुनैद खान,फरहान खान, नसीम गौरी उपस्थित रहे।

आईपीएल : अब 10 टीमों में 77 खिलाड़ियों की ही जगह खाली बची

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएलऑक्शन के लिए 1166 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 830 भारतीय और 336 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नाम नहीं दिया। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, जेराल्ड कूट्जी और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी बड़े विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ियों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए के पार जा सकती है। इंडियन प्रीमियर लीग का मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को यूएई के दुबई शहर में होगा। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे, जिनमें 30 विदेशी रहेंगे। टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं, हर टीम का पर्स इस बार 100 करोड़ रुपए का रहेगा।

25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़

ऑक्शन में 25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, इनमें ऑस्ट्रेलिया के 7 और भारत के 4 खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। भारतीयों में हर्षल पटेल, केदार जाधव, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है। इनके अलावा 20 प्लेयर्स की बोली 1.50 करोड़ और 16 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी। बाकी 1105 प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 95 लाख रुपए के बीच है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (बाएं), पैट कमिंस (बीच में) और मिचेल स्टार्क (दाएं) की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है।

रचिन की बेस प्राइस महज 50 लाख

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र भी ऑक्शन में रहेंगे, उन्होंने अब तक आईपीएल डेब्यू नहीं किया और उनकी बेस प्राइस भी महज 50 लाख रुपए हैं। रचिन ने 3 सेंचुरी लगाकर पिछले दिनों खत्म हुए वनडे वर्ल्ड कप में 578 रन बनाए थे। उनके साथ वर्ल्ड कप में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले डेरिल मिचेल पर भी बोली लगेगी, वह भी महंगे बिक सकते हैं।

स्टार्क 5 साल बाद ऑक्शन में उतरेंगे

वर्ल्ड कप में बेहतरीन परफॉर्म करने वाले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड ने भी ऑक्शन में अपना नाम दिया है। तेज गेंदबाज स्टार्क 5 साल बाद ऑक्शन में उतर रहे हैं, 2018 में उन्हें आखिरी बार कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा था।

इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम घोषित, श्रेयांका और साइका को विमेंस टीम में मौका

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में होगी टी-20 सीरीज और टेस्ट

मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड सीरीज के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने विमेंस टीम इंडिया की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज रेणका ठाकुर ने इंजरी के बाद वापसी की है। जेमिमा रोड्रिग्ज को टेस्ट टीम में जगह मिली। दोनों टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। 21 साल की स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर श्रेयांका पाटील और 28 साल की लेफ्ट आर्म स्पिनर साइका इशाक को टी-20 सीरीज में चुना गया। दोनों को पहली बार टीम इंडिया में जगह मिली। टेस्ट और टी-20 दोनों टीमों की कप्तानी हरमनप्रीत कौर ही करेंगी। सीरीज 6 दिसंबर से शुरू होगी। इंग्लैंड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भी भारत की टीम चुनी गई है।

6 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया को एक टेस्ट और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। 6, 9 और 10 दिसंबर को 3 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 14 से 17 दिसंबर के बीच 4 दिवसीय टेस्ट मैच होगा। सभी मुकाबले मुंबई में होंगे। तीनों टी-20 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में होंगे, वहीं टेस्ट मैच डीवाई पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा। टी-20 टीम में इशाक और श्रेयांका के साथ अनुभवी दीप्ति शर्मा और लेग स्पिनर मन्नत कश्यप के रूप में 4 स्पिनर्स हैं। आरसीबी से ही खेलने वालीं कनिका आहूजा को भी टीम में जगह मिली है। श्रेयांका पाटील विमेंस टीम इंडिया की उभरतीं ऑलराउंडर हैं। उनमें टीम इंडिया की फ्यूचर सुपर स्टार बनने की क्षमता है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार कर रहा है बीसीसीआई

2024 का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप सितंबर और अक्टूबर के दौरान बांग्लादेश में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने अब तक टूर्नामेंट नहीं जीता है, इसे देखते हुए बीसीसीआई का फोकस युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिक्स कर मजबूत टीम बनाने पर है। इंग्लैंड के बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट और 6 लिमिटेड ओवर्स के मुकाबले खेलेगी।

घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलेगी टीम

विमेंस टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलने उतरेगी। टीम ने नवंबर 2014 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था, इसमें टीम इंडिया को पारी और 34 रन से जीत मिली थी। 2014 के बाद टीम ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेश में भी एक-एक ही टेस्ट खेला।

पहली बार मिताली राज व झूलन शामिल नहीं होंगी

भारत की टेस्ट टीम में 20 साल में पहली बार मिताली राज और झूलन गोस्वामी शामिल नहीं रहेंगी। इसके साथ ही हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगी। उन्होंने अब तक वनडे और टी-20 में ही विमेंस टीम को लीड किया है। **इंडिया विमेंस टीम...:** टी-20 स्क्वॉड- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटील, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मिन्नु मणि। वहीं इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉड: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देओल, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड और पूजा वस्त्राकर।

टूर्नामेंट अगले साल 4 से 30 जून तक होगा

डोमिनिका टी-20 वर्ल्ड कप मेजबानी से हटा

मुंबई, एजेंसी

डोमिनिका टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के मैचों की मेजबानी नहीं करेंगा। क्रिकइंफो के मुताबिक डोमिनिका सरकार ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले प्रैक्टिस और मैच वेन्यू पर काम पूरा करने में देश की असमर्थता बताते हुए यह निर्णय लिया। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 4 से 30 जून तक खेला जाएगा। अमेरिका और वेस्टइंडीज के 10 शहरों में 27 दिन तक 20 टीमों के बीच 55 मैच होंगे। शुरुआत में डोमिनिका को वेस्टइंडीज के छह अन्य देशों के साथ टूर्नामेंट के लिए होस्ट वेन्यू के रूप में चुना गया था। ये छह देश एंटीगुआ और बारबुडा, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और त्रिनिदाद और टोबैगो हैं। इसके अलावा आईसीसी ने अमेरिका के 3 शहरों के नाम फाइनल किए हैं जहां पर टी-20 वर्ल्ड कप के मैचों का आयोजन होगा। उसमें न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास शामिल हैं। 20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 40 मैच होंगे। सभी ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 स्टेज में पहुंचेंगी, इस स्टेज में 12 मैच होंगे। सुपर-8 की भी 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में क्वालिफाई करेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 30 जून 2024 को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। सेमीफाइनल, एक फाइनल और 52 ग्रुप स्टेज मैच मिलाकर टूर्नामेंट में 27 दिन के अंदर कुल 55 मैच खेले जाएंगे। 2021 और 2022 में खेले गए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें थीं। 8 में से 4 टीमें क्वालिफायर खेलकर सुपर-12 स्टेज का हिस्सा बनती थीं।

मेट्रो बाजार

टू-व्हीलर की होलसेल सेगमेंट सेल 25 फीसदी बढ़ सकती है

मुंबई, एजेंसी

देश की लीडिंग ऑटोमोबाइल कंपनियों ने अपने नवंबर के सेल्स आंकड़े जारी किए हैं। इस साल नवंबर में टीवीएस मोटर्स और बजाज ऑटो की टोटल सेल सालाना आधार पर 31 फीसदी बढ़ी है। वहीं मारुति सुजुकी ने भी 1.64 लाख कारें बेची हैं। पिछले साल के मुकाबले यह 3त्न ज्यादा है। टाटा मोटर्स ने इस दौरान 74,172 गाड़ियां बेची हैं। हालांकि, पिछले साल के नवंबर के मुकाबले इसमें करीब 2 फीसदी की कमी हुई है। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की ओवरऑल ग्रोथ की बात करें तो टू-व्हीलर के होलसेल सेगमेंट के सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। वहीं मीडियम और हैवी कॉमर्शियल व्हीकल की बात करें तो इसमें पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी तक की ग्रोथ आ सकती है। फेस्टिव सीजन के 42 दिन में 37.93 लाख गाड़ियां बिकीं। पिछले साल के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा सेल हुई, सबसे ज्यादा टू-व्हीलर्स बिके हैं। इस साल फेस्टिव सीजन के दौरान भारतीय बाजार में गाड़ियों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। 42 दिन का फेस्टिव सीजन, जो नवरात्रि के पहले दिन से लेकर धनतेरस के 15 दिन बाद तक चला, इस दौरान देश में टोटल 37.93 लाख गाड़ियां बिकी हैं। जनवरी-2024 से महंगी होंगी मारुति, ऑडी और टाटा का गाड़ियां- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से कंपनियों ने लिया फैसला, मारुति ने तीसरी बार दाम बढ़ाए थे। साल के आखिर में लगभग सभी कार कंपनियां नए साल से अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का ऐलान करती हैं। मारुति सुजुकी के बाद टाटा मोटर्स और ऑडी ने भी अपने वाहनों की कीमतों को बढ़ाने का ऐलान किया था।

टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट अनवील में एडवांस्ट फीचर

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स ने अपनी सबसे पॉपुलर कार नेक्सॉन का फेसलिफ्ट अनवील कर दिया है। कंपनी ने सब-4 मीटर एसयूवी के एक्सटीरियर और इंटीरियर डिजाइन को अपडेट किया है। इसके साथ ही कार में नए कलर एडवांस्ड कंफर्ट और सेफ्टी फीचर एड किए गए है। नई नेक्सॉन की 4 सितंबर से बुकिंग शुरू होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार इसी फेस्टिव सीजन में लॉन्च की जा सकती है। भारत में कार का मुकाबला मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा और किया सोनेट से होगा। डिजाइन की बात करें तो नई नेक्सॉन के फ्रंट और रियर लुक को पूरी तरह से चेंज किया गया है। ये अब पहले से ज्यादा स्पोर्टी नजर आ रही है। इसके फ्रंट में नए स्प्लिट हेडलैंप सेटअप मिलता है। एक दम नए डिजाइन और ज्यादा स्पोर्टी दिखने वाले बम्पर पर नीचे स्क्वॉष्ठ हेडलैंप लगाए गए हैं। साइड में फंकी दिखने वाले 16 इंच के डायमंड कट डुअल-टोन अलॉय व्हील के अलावा कुछ चेंज नहीं किया गया है। रियर में नेक्सॉन को फुल कनेक्टेड स्क्वॉष्ठ टेल लाइट मिलती है, जिसे कंपनी फैक्टर टेल लैं कह रही है। इसमें वेलकम और गुडबाय फंक्शन भी मिलता है।

सलमान पर लगा था बैन, अब बने चीफ सिलेक्टर एडवाइजर

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान सलमान बट को नेशनल सेलेक्शन कमिटी में जगह दी है। सलमान फिक्सिंग के मामले में 5 साल का बैन झेल चुके हैं। उन्हें चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज का सलाहकार नियुक्त किया गया है। बट के अलावा पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम को भी चीफ सिलेक्टर कमेटी का सलाहकार बनाया गया है।

2010 में स्पॉट फिक्सिंग 5 साल का बैन लगा था: 39 साल के सलमान बट पर 2010 में स्पॉट फिक्सिंग का आरोप लगा था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच हुए मैच में फिक्सिंग के कारण बट पर 5 साल का बैन लगा, जो 2015 में खत्म हुआ। बैन खत्म होने के बाद वह पाकिस्तान की नेशनल टीम में जगह नहीं बना सके। उन्होंने 2016 में क्रिकेट में वापसी की और घरेलू क्रिकेट में काफी सफल रहे लेकिन राष्ट्रीय टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके। सलमान बट ने पाकिस्तान के लिए 33 टेस्ट मैचों में 30.47 की औसत 1889 रन बनाए हैं। उन्होंने 78 वनडे मैचों में 36.33 की औसत से 2725 रन बनाए हैं। जबकि 24 टी-20 मैचों में 28.33 की औसत से 595 रन बनाए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 7 मैच भी खेले हैं, इनमें वह 193 रन ही बना सके। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में काफी बदलाव हुए हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। जिसके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी। टेस्ट टीम की कप्तानी अब शान मसूद को सौंपी गई।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में रणवीर सिंह ने की जॉनी डेप की प्रशंसा

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह को हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया है। सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए उन्हें हॉलीवुड आइकन शेरोन स्टोन से पुरस्कार मिला। इस दौरान रणवीर ने दर्शकों में बैठे हॉलीवुड एक्टर जॉनी डेप की प्रशंसा की और उनके प्रति प्यार जताया। इतना ही नहीं रणवीर ने जॉनी डेप को अपना आइडल भी बताया। उन्होंने कहा- वाह मेरे सभी स्क्रीन आइडल में से एक आज यहां मौजूद हैं। उन्होंने अवॉर्ड लेने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं थोड़ा स्क्रिप्ट से हटना चाहता हूं। देवियों और सज्जनों, एडवर्ड सिजरहैंड्स और व्हाट्स ईटिंग गिल्बर्ट ग्रेप के बाद मैं केवल जॉनी सर के काम से इंसपायर हुआ हूं। आपके सामने मुझे अवॉर्ड मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। आपने मुझे अनजाने में बहुत कुछ सिखाया है। आपका बहुत धन्यवाद सर।

'सिंघम अगेन' की शूटिंग में व्यस्त हैं रणवीर

रणवीर सिंह आखिरी बार करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया भट्ट के साथ नजर आए थे। इस फिल्म को और उनके किरदार को लोगों ने खूब प्यार दिया। इस सफलता के बाद यह अफवाह है कि रणवीर संजय लीला भंसाली की बैजू बावरा में काम करेंगे। इसके अलावा एक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। फिल्म में रणवीर एक बार फिर सिंबा के किरदार में नजर आने वाले हैं। वहीं अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, अक्षय, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ व अन्य कलाकार भी इस फिल्म में दिखाई देंगे। इसके अलावा, रणवीर फिल्म डॉन 3 में भी नजर आएंगे। इसे फरहान खान प्रोड्यूस करेंगे। किरदार का आकर्षक फर्स्ट-लुक पोस्टर पहले ही जारी किया जा चुका है, जिससे रणवीर के कुछ फैंस तो एक्साइटेड है।

शाहरुख की जिद पर फिल्म में जोड़ा गया था फाइट सीन

शाहरुख खान और काजोल स्टारर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' 90 की सुपरहिट फिल्म थी। लोग आज भी ये फिल्म देखना पसंद करते हैं। डीडीएलजी में कुलजीत का किरदार निभाने वाले एक्टर परमीत सेठी ने फिल्म के बारे में कुछ खास बाते बताईं। उनका कहना है कि 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के लास्ट में एक फाइट सीन दिखाया गया है। फिल्म के डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा वो फाइट सीन फिल्म में नहीं चाहते थे। जब शाहरुख आदित्य से जिद करने लगे तब उन्होंने ये सीन फिल्म में रखा था। उनकी इच्छा थी कि फिल्म में एक फाइट सीन होना चाहिए। इसके अलावा परमीत ने कहा कि कुलजीत के रोल के लिए उनसे पहले अरमान कोहली को चुना गया था। उन्होंने आदित्य से रिक्वेस्ट करके ये रोल मांगा था। हाल ही में एक इंटरव्यू में परमीत ने कहा कि जब उन्होंने सुना कि कुलजीत के किरदार के लिए अरमान कोहली को चुना गया है तो उनका दिल टूट गया। एक्टर ने बताया कि वह 15 दिनों तक सो नहीं पाए थे और तब तक बेचैन थे जब तक उन्होंने आदित्य को ऑडिशन नहीं दिया और उन्हें इस रोल के लिए चुन नहीं लिया गया। परमीत ने डीडीएलजे की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था की फिल्म को इतने बड़े स्तर पर सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि फिल्म की स्टोरी और गाने सुनकर मुझे ये तो पता था कि फिल्म चल जाएगी। लेकिन इस तरह सुपरहिट होगी ये नहीं सोचा था।

जब ट्विंकल का जवाब सुन स्पीचलेस रह गए करण

अक्षय कुमार की वाइफ और बॉलीवुड एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपनी नई बुक 'वेलकम टू पैराडाइज' लॉन्च की। इस इवेंट में ट्विंकल के बचपन के दोस्त फिल्ममेकर करण जौहर भी शामिल हुए। इवेंट के दौरान करण ने ट्विंकल के साथ ऑन स्टेज कन्वर्सेशन भी की जिसमें दोनों एक-दूसरे को रोस्ट करते हुए नजर आए। यहां ट्विंकल ने करण का मजाक बनाते हुए कहा कि वो अपने ब्रैंड का यूज करते हुए प्राइवेट पार्टी अटैंड करके पैसे कमाते हैं। इसके जवाब में करण ने कहा कि वो इस मामले में ट्विंकल के हस्बैंड अक्षय कुमार की तरह हैं। इवेंट में जब करण ने ट्विंकल से पूछा कि वो क्या प्रिफर करेंगी? बेस्टसेलिंग ऑथर बनना या फिर बिना सेल्स के क्रिटिकली अक्लेम्ड ऑथर बनना? इस पर ट्विंकल ने जवाब दिया, 'मैं करण जौहर बनना पसंद करूंगी, जिनके पास अपना खुद का शो है, जहां मैं खूब सारा पैसा कमाऊंगी और फिर लोगों की बर्थडे पार्टी में भी जाऊंगी जिसके लिए एक करोड़ रुपए चार्ज करूंगी।' ट्विंकल का यह जवाब सुनकर करण स्पीचलेस रह गए।

ट्विंकल ने किया करण को रोस्ट कर कहा- किड्स पार्टी में जाने का एक करोड़ लेते हैं करण, डायरेक्टर बोले- इस मामले में अक्षय कुमार के जैसा हूं

'अक्षय तो मुंडन पर भी जा सकते हैं'

थोड़ा वक्त लेने के बाद करण ने ट्विंकल को जवाब दिया, 'क्या आप मेरी एजेंसी से बात कर रहे हैं? क्या वो आपको वो सब डिटेल्स दे रहे हैं जो उन्हें नहीं देनी चाहिए? मुझे बच्चों की बर्थडे पार्टी समेत कई इवेंट्स में रैपिड फायर खेलने के लिए इनवाइट किया जाता है। और मैंने इस तरह के इनविटेशन एक्सेप्ट किए हैं।' इससे पहले रणवीर सिंह ने भी कॉफी विद करण में अक्षय के प्राइवेट पार्टी अटैंड करने पर बात की थी।इसके जवाब में ट्विंकल ने कहा, 'मेरे ख्याल से यह बड़ी अच्छी बात है। मेरे हस्बैंड (अक्षय कुमार) भी कहते हैं कि वो हर जगह जा सकते हैं। मुंडन में भी। इस पर करण ने जवाब दिया, 'आपके हस्बैंड और मैं एक-जैसा सोचते हैं। इससे पहले कॉफी विद करण के एक एपिसोड में रणवीर सिंह ने कहा था कि उन्होंने अक्षय कुमार से ही प्राइवेट पार्टी अटैंड करने का फायदा उठाना सीखा है।

हवलदार के भाई ने जहर खाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित अभिनव होम्स में निजी कंपनी के कर्मचारी ने शुक्रवार दोपहर जहरीला पदार्थ खा लिया। उनके परिचित उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को मृतक के घर से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में उन्होंने पत्नी और मायके पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया है। शुक्रवार को शव का पीएम कराने के बाद पुलिस ने परिजन को सौंप

दिया है। पुलिस सुसाइड नोट बरामद कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार मनोज रघुवंशी पिता तूफान सिंह रघुवंशी (40) अभिनव होम्स अयोध्या नगर में रहते थे और इंडिया पोटाश लिमिटेड कंपनी में नौकरी करते थे। करीब एक सप्ताह पहले वह कंपनी के काम से जबलपुर से लौटे थे। इसके बाद से ही पत्नी और उनके बीच कहासुनी बढ़ने लगी थी। बुधवार रात भी पत्नी से उनकी कहासुनी हुई थी। इसके बाद मामला थाने पहुंच गया। मामला पति पत्नी का होने के कारण पुलिस ने काउंसलिंग कराई और दोनों घर चले गए। पत्नी थाने में कह रही थी कि अब हम विवाद नहीं करेंगे। यहीं कहना मनोज का भी था, लेकिन अगले ही दिन गुरुवार को पत्नी अपने नौ साल के बेटे अक्षय को लेकर मायके चली गई। मनोज ने पत्नी से कहा था कि अक्षय का स्कूल है और उसकी पढ़ाई खराब होगी। बावजूद इसके पत्नी नहीं मानी और अक्षय को लेकर मायके चली गई। गुरुवार दोपहर करीब तीन से चार बजे के मनोज ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसी बीच उनके परिचित का उनके घर पहुंचना हो गया और उसने मनोज को उल्टियां करते हुए देखा और अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में इलाज के दौरान मनोज की मौत हो गई। मनोज ने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा था। सुसाइड नोट में मनोज ने आत्महत्या की वहज अपनी पत्नी को बताया है। इसके अलावा मायके पक्ष के दो तीन अन्य लोगों के नाम भी लिखे हैं।

हालांकि पुलिस ने जांच का हवाला देते हुए सुसाइड नोट में लिखे नाम और कारण बताने से इंकार कर दिया।

सराफा मार्केट से चेन सुधरवाने के बाद लालघाटी जा रही थी मां बेटी

शादी में शामिल होने बेटी के साथ जा रह मां की चेन झपटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित संत जी की कुटिया के पास स्कूटर सवार मां बेटी से बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन झपट ली। घटना गुरुवार रात करीब दस बजे के आसपास की है। मां बेटी ने घटना की शिकायत शुक्रवार शाम थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद लूट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है।

एसआई अमन नायक ने बताया कि भावना पारवानी पिता नरेश पारवानी (42) बैरागढ़ में रहती हैं। वह गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें लालघाटी शादी में जाना था। गुरुवार रात वह अपनी बेटी के साथ सराफा मार्केट गई और वहां चेन सुधरवाने के बाद स्कूटर से बेटी के साथ लालघाटी शादी में शामिल होने के लिए निकली। संत जी कुटिया के पास पहुंचते ही अंधेरे में पीछे से आई बाइक पर दो युवकों ने उनके गले पर झपट्टा मारा तो चेन टूटकर नीचे गिर गई। बाइक पर पीछे बैठा बदमाश उतरा और उसने चेन उठा ली। इसके बाद अपने साथी की बाइक पर बैठकर निकल गई। मां बेटी ने उनका पीछा भी किया, लेकिन आरोपी वहां से भाग निकले थे। रात में शादी अटैंड करने के बाद वह शनिवार शाम थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि लूटी गई चेन की कीमत 60 हजार रुपए है।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र ई सेक्टर बरखेड़ा पठानी में शुक्रवार सुबह पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश घर से कुछ दूरी पर पेड़ पर लटकी नजर आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

फाइल फोटो

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था और परिजन उसका इलाज भी करा रहे थे। पुलिस के अनुसार दीपक नामदेव ई सेक्टर बरखेड़ा पठानी में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उनका भाई अमित नामदेव पिता माखनलाल नामदेव (32) उनके साथ रहता?था। अमित का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था और उसका इलाज करा रहे थे। गुरुवार रात परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। शुक्रवार सुबह करीब पौने पांच बजे नींद खुली तो कमरे में अमित नजर नहीं है। परिजन उसे देखने के लिए बाहर निकले तो घर से दस मीटर दूर मुनगा के पेड़ पर दीपक की लाश रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया था। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

शादी समारोह में गए परिवार के रातीबड़ स्थित सूने मकान पर चोरों का धावा

भोपाल। शादी समारोह में शामिल होने के लिए शहर से बाहर गए एक परिवार के रातीबड़ स्थित सूने मकान पर चोरों ने धावा बोला और हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। घरवालों के वापस लौटने पर चोरी गए सामान की सूची और कीमत का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक प्रवीण कुमार राय (44) पुलिस लाइन नेहरू नगर में रहते हैं और यातायात थाने में एएसआई के पद पर पदस्थ हैं। उनके चाचा सीताराम राय रातीबड़ थानांतर्गत सिद्दीविनायक कालोनी मिंडोरी रोड नीलबड़ में रहते हैं। प्रवीण ने पुलिस को बताया कि फिलहाल उनके चाचा सीताराम राय एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गाजीपुर गए हुए हैं। गुरुवार सुबह उन्होंने घर का ताला टूटने की सूचना दी, जिसके बाद वह चाचा के घर पहुंचे। बदमाशों ने चैनल गेट और मेन गेट का ताला तोड़ने के साथ ही अंदर रखी अलमारियों के ताले तोड़ डाले थे। घर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश घर से क्या-क्या सामान चोरी कर ले गए हैं, इसका खुलासा चाचा के परिवार के लौटने के बाद होगा। फिलहाल पुलिस ने प्रवीण की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

काउंटिंग कल: पुरानी जेल परिसर के आस-पास बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रविवार तीन दिसंबर को पुरानी जेल परिसर में विधानसभा चुनाव 2023 के मतों की गणना होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में निर्वाचन आयोग, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ आमजन उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही वाहनों की दबाव बहुत ज्यादा होगा। सुरक्षा और यातायात व्यवस्ता को देखते हुए 3 दिसंबर को सुबह 6 बजे से पुरानी जेल परिसर के आसपास ट्रैफिक डायवर्सन रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि आवश्यकता नहीं होने पर वह इस मार्ग की तरफ जाने से बचें।

इन मार्गों पर बंद रहेगा आवागमन

- सीआई कालोनी, पुलिस कंट्रोल रूम तिराहा, होमगार्ड टर्निंग एवं कोर्ट चौराहा से पुरानी जेल की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के दोपहिया, चार पहिया, लोक परिवहन एवं अनुमति प्राप्त वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।
- स्टेट बैंक आफ इंडिया मैदा मिल के पास से सेंट्रल स्कूल क्रमांक-1, स्टेट आईटी की तरफ जाने वाले रास्ते से न्यायालय एवं जेल की तरफ जाने वाले सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।
- जो वाहन जहांगीराबाद से एमपी नगर की ओर आवागमन करना चाहते हैं, वह शब्बन चौराहा, जिंसी चौराहा, बोगदा पुल, प्रभात चौराहा, सुभाष फाटक ओवर ब्रिज, मैदा मिल से बोर्ड आफिस होकर आवागमन करेंगे।
- प्रत्याशियों के एजेंट और नाश्ता-भोजन लाने वाले वाहन पुरानी जेल परिसर के मुख्य द्वार तक पहुंच सकेंगे।

इस प्रकार होगी पार्किंग व्यवस्था

- आम जनता के वाहन पंजाब नेशनल बैंक की तरफ और कोर्ट तिराहा से वल्लभ भवन मार्ग पर दोनों तरफ पार्क किए जा सकेंगे। मतगणना में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों, पत्रकार और मीडियाकर्मियों के वाहन निर्धारित स्थान जेल परिसर में पार्क होंगे।
- एजेंटों को वाहन पुलिस कंट्रोल रूम तिराहे से होमगार्ड टर्निंग तक जाएंगे। इन वाहनों की पार्किंग लाल परेड ग्राउंड एवं एमएलए रेस्ट हाउस में होगी। डीबी माल की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन कोर्ट तिराहा तक पहुंच सकेंगे। इनकी पार्किंग वल्लभ भवन मार्ग के दोनों तरफ होगी।
- मतगणना स्थल पहुंचने वाले प्रत्याशियों के वाहन जेल परिसर में निर्धारित स्थान पर पार्क होंगे। जहांगीराबाद की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पुलिस आईटीआई गेट तक पहुंचकर निर्धारित स्थान पर पार्क किए जाएंगे।
- इसी प्रकार मिंडोस कालोनी की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पीएनबी मुख्यालय तक पहुंचेंगे और सड़क के दोनों तरफ पार्क किए जाएंगे। आम जनता के वाहन वैकल्पिक तौर पर एमएलए रेस्ट हाउस, लाल परेड के आईटीआई ग्राउंड तथा एमवीएम ग्राउंड पर पार्क किए जा सकेंगे।

जिंद बाबा के मंदिर में नशा करते समय मूर्ति खंडित की

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव कुल्होर में शुक्रवार शाम उस समय बवाल हो गया, जबकि ग्रामीणों ने जिंद बाबा की मूर्ति को खंडित देखा। ग्रामीणों ने घटना की शिकायत पुलिस थाने पहुंचकर की थी। इस दौरान पता चला कि मूर्ति वहां बैठे चार युवकों ने की है। वह जिंद बाबा के स्थल पर बैठकर गांजा भी पी रहे थे। पुलिस ने उक्त मामले में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार नीलेंद्र साहू गांव कुल्होर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि गुरुवार शाम ग्रामीणों के साथ वह जिंद बाबा देव के स्थल पर पहुंचे थे। इस दौरान?उन्होंने जिंद बाबा की मूर्ति खंडित देखी। वे ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ की तो पता चला कि वहां सुनील कुशवाह, राजू अहिरवार, कन्छेदी शाक्य और रघुवीर कुशवाह बैठकर गांजा पी रहे थे। आरोपियों को पुलिस पकड़कर थाने लाई और पूछताछ की तो उन्होंने मूर्ति से छेड़छाड़ करने की बात स्वीकार ली।

शाहपुरा में सूने फ्लैट से दिनदहाड़े जेवरात और नकदी चोरी

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थानांतर्गत श्वेता काम्पलेक्स गुलमोहर निवासी भरत कुमार गुप्ता के सूने मकान से चोर दिनदहाड़े सोने-चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपये नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। घटना शाम चार से रात आठ बजे के बीच होना बताई गई है। इधर हबीबगंज में राहुल वर्मा, कमला नगर में माखनसिंह, पिपलानी में नीतेश कुशवाह, कोतवाली में भुवन गुप्ता, श्यामला हिल्स में प्रिंस तिवारी, कोहेफिजा में शशिकांत अहिरवार, गौतम नगर में राजा मियां, निशातपुरा में बबलू खान, रविंद्र रघुवंशी और विशाल यादव तथा छोला मंदिर इलाके से नवीन माली की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अमर जवान ज्योति तिराहे पर लगा पुलिस का सीसीटीवी कैमरे का पोल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद थानांतर्गत भोपाल गेट अमर जवान ज्योति तिराहे पर लगा पुलिस विभाग का सीसीटीवी कैमरे वाला पोल चोरी हो गया। चोरी गए पोल की कीमत करीब 11 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस दूरसंचार मुख्यालय द्वारा भोपाल शहर में सुरक्षा और यातायात की दृष्टि से 153 स्थानों पर कुल 781 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इनकी मानीटरिंग कार्यालय निरीक्षक रेडियो द्वारा की जाती है। पिछले दिनों पुलिस की टीम शाहजहांनाबाद थानांतर्गत भोपाल गेट स्थित अमर जवान ज्योति तिराहे पर देखा तो यहां लगा एक सीसीटीवी कैमरे का पोल गायब था। कार्यालय द्वारा इस मामले की सूचना शाहजहांनाबाद को दी गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि पोल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे बदमाश काटकर उठा ले गए।

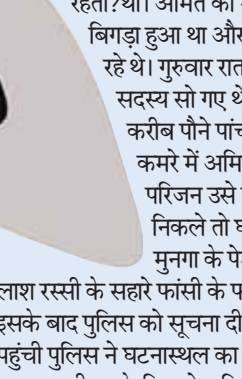

फाइल फोटो

ब्रिज के नीचे युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

भोपाल । मंगलवारा थाना इलाके में गुरुवार रात भारत टाकीज ओवर ब्रिज के नीचे एक युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। मृतक मूलतः कानपुर का रहने वाला था। वह फुटपाथ पर रहता था। इस मामले में पुलिस को आरोपितों के बारे में अहम सुराग मिल गए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। मंगलवारा थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि 32 वर्षीय अनिल पुत्र महावीर नागर भारत टाकीज ब्रिज के पास डबल फाटक के पास अपने चाचा चाचा रामजी नागर के साथ फुटपाथ पर रहता था। गुरुवार रात को अनिल का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। उन लोगों ने अनिल के साथ मारपीट करते हुए पत्थरों से वार कर दिए थे। मारपीट कर सभी भाग निकले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक अनिल की मौत हो चुकी थी। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022